राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार 27 मई 2024 वर्ष-7,अंक-123 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

## हेमकुंड साहिब के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खुले

**- श्रद्धालु अक्टूबर तक कर सकेंगे दर्शन**

**देहरादून ।** उत्तराखंड में 10 मई से चारधाम यात्रा शुरु हो गई है। प्रे ति दिन हजारों श्रद्धालु यहां पहुंच रहे हैं। इसी के साथ पंच प्यारों की मौजूदगी में पवित्र निशान के साथ सिखों के पवित्र धर्मस्थल श्री हेमकुंड साहिब के भी कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए हैं। कपाट खुलने के अवसर पर 3500 से ज्यादा श्रद्धालु मौजूद थे। इसके साथ ही श्री हेमकुंड साहिब यात्रा की भी शुरुआत हो गई है। हेमकुंड साहिब में वैसे अभी भी 7 से 8 फीट बर्फ जमी हुई है। ऐसे में श्रद्धालुओं को लगभग दो किमी तक का सफर बर्फ के बीच से करना होगा। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने पहले ही दिन दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए धाम में दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या तय कर दी है। जिससे धाम में दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं को कोई समस्या न हो। इसके तहत हर दिन हेमकुंड साहिब के लिए सिर्फ 3500 श्रद्धालुओं को ही धाम में भेजा जाएगा। 10 अक्टूबर 2024 को फिर से इसके कपाट बंद कर दिए जाएंगे। हेमकुंड साहिब से पहले बुद्ध पूर्णिमा के दिन इस बार श्री लोकपाल लक्ष्मण मंदिर के भी कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए हैं। सदियों से हेमकुंड साहिब व लोकपाल लक्ष्मण मंदिर के कपाट एक ही दिन खोले जाते हैं। चमोली जिले में समुद्रतल से 15,225 फीट की ऊंचाई पर स्थित लोकपाल लक्ष्मण मंदिर में भी हेमकुंड यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। विश्व का सबसे ऊंचाई पर स्थित लक्ष्मण मंदिर है। श्री लोकपाल लक्ष्मण मंदिर के बारे में मान्यता है कि यहां इसी लोकपाल घाटी में पवित्र सरोवर के किनारे भगवान श्रीराम के भाई लक्ष्मण जी ने अपने पूर्व जन्म में शेषनाग अवतार के रूप में कड़ी तपस्या की थी। सरकार और प्रशासन ने हेमकुंड साहिब की यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के लिए रास्ते में जगह-जगह खाने के स्टॉल, पीने का पानी, बिजली और डॉक्टर्स की व्यवस्था की है।

## नवजात शिशुओं की मौत के जिम्मेदारों को बख्शा नही जाएगा: केजरीवाल

**नई दिल्ली।** दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल ने पूर्वी दिल्ली में बेबी केयर अस्पताल में आग लगने की घटना को हृदय विदारक बताया ओर इस मामले में लापरवाही बरतने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। आग लगने की घटना में सात नवजात शिशुओं की जान चली गई। स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि लापरवाही बरतने वाले या गलत काम में लिप्त लोगों को सख्त से सख्त सजा दी जाएगी। केजरीवाल ने रविवार को सोशल मीडिया 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि सरकार विवेक विहार में आग लगने की घटना में अपने बच्चों को खोने वालों के साथ है और प्रशासन घायलों का उचित इलाज मुहैया करा रहा है। उन्होंने कहा कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है और लापरवाही बरतने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। पूर्वी दिल्ली के विवेक विहार में बच्चों के एक अस्पताल में आग लगने से सात नवजात शिशुओं की मौत हो गई। शनिवार रात शाहदरा क्षेत्र के विवेक विहार में बच्चों के एक अस्पताल में आग लग गई थी। आग लगने के बाद 12 शिशुओं को अस्पताल से निकाला गया लेकिन उनमें से सात की मौत हो गई। आग के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है।

## एक महीने बढ़ा सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे का कार्यकाल

**अब 30 जून को होंगे रिटायर**

**नई दिल्ली ।** सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे के कार्यकाल को एक महीना बढ़ा दिया गया है। कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने रविवार को जनरल पांडे के सेवा विस्तार को मंजूरी दी है। विस्तार के बाद जनरल पांडे 30 जून तक सेना के अध्यक्ष रहेंगे। बता दें, पांडे 31 मई को रिटायर होने वाले थे लेकिन इससे पहले ही उन्हें सेवा विस्तार दे दिया गया। लेफ्टिनेंट जनरल मनोज पांडे ने 30 अप्रैल, 2022 को सेना अध्यक्ष का पद संभाला था। उन्होंने जनरल एम.एम. नरवणे की जगह ली थी। सेना अध्यक्ष से पहले पांडे सेना के उप-प्रमुख थे। पांडे सेना प्रमुख बनने वाले कोर ऑफ इंजीनियर्स के पहले अधिकारी हैं। अब तक इन्फैंट्री, आर्मर्ड और आर्टिलरी अधिकारी ही अधिकतर सेना प्रमुख बने हैं। पांडे पूर्वी सेना के कमांडर भी रहे हैं। यह कमान पूर्वोत्तर राज्यों सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रों में चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) की रक्षा के लिए तैनात है। इसका मुख्यालय कोलकाता में है। लेफ्टिनेंट जनरल पांडे पूर्वी कमान के प्रमुख बनने से पहले अंडमान एवं निकोबार कमान के कमांडर-इन-चीफ थे।

## चाइल्ड केयर हादसा: आग से झुलसे सात नवजातों ने दम तोड़ा

**-फॉरेंसिक टीम कर रही जांच, अस्पताल पर उठने लगे सवाल**

**नई दिल्ली। (एजेंसी)**

दिल्ली के विवेक विहार में एक चाइल्ड केयर हॉस्पिटल में आग लगने से सात नवजात की मौत हो गई है वहीं 12 नवजातों को बचाया, लेकिन उनमें से सात ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। अब इस हादसे पर सवाल उठने लगे हैं कि इसका जिम्मेदार कौन है? बेबी केयर हॉस्पिटल में कितने बजे आग लगी और घटना की सूचना कितनी देर में फायर डिपार्टमेंट को दी गई? यह फिलहाल जांच का विषय है। बताया जा रहा है कि आग शनिवार देर रात 11:32 बजे लगी थी और तकरीबन 50 मिनट में इसपर काबू पाया जा सका। अग्निकांड के समय बेबी केयर अस्पताल में सिक्योरिटी गार्ड वहां थे या नहीं या फिर अस्पताल प्रबंधन का कोई जिम्मेदार शख्स हॉस्पिटल में था या नहीं? अभी तक इस बात का पता नहीं चल सका है कि अस्पताल में जब आग लगी थी, तब वहां अस्पताल के सिक्योरिटी डिपार्टमेंट से कौन-कौन था। अस्पताल में फायर सेफ्टी के लिए क्या-क्या व्यवस्थाएं थीं? जब आग लगी तो तो हॉस्पिटल में मौजूद फायर सेफ्टी मेजर को अमल में लाया गया था या नहीं? बता दें कि तय प्रावधानों के तहत अस्पतालों में अग्नि सुरक्षा के लिए मुकम्मल व्यवस्था करनी होती है, ताकि आग लगने की स्थिति में घटना से निपटा जा सके। एक सवाल यह भी है क्या तय मापदंडों के मुताबिक गर्मी का मौसम आने से पहले अस्पतालों में सुरक्षा मानकों की जांच की गई थी या नहीं? आमतौर पर गर्मी के सीजन में जब तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर जाता है तो मशीनों में स्पार्क करने और उस वजह से आग लगने की आशंका बढ़ जाती है। इसके साथ ही फायर डिपार्टमेंट की टीम उन्हें बेसिक ट्रेनिंग भी देती है। जानकारी के मुताबिक अस्पताल में आग लगने की वजहों का अभी तक पता नहीं चल सका है। शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी या फिर इसके पीछे कोई और कारण है। फायर डिपार्टमेंट और फॉरेंसिक टीम की छानबीन के बाद ही आग लगने की सही जानकारी का पता चलेगा साथ ही जवाबदेही भी तय की जाएगी।

## अस्पताल में आग से नवजातों की मौत हृदय विदारक घटना: राष्ट्रपति

**नई दिल्ली। (एजेंसी)**

दिल्ली के बेबी केयर अस्पताल में आग से नवजातों की मौत होने की घटना को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हृदय विदारक बताया है। इसके साथ ही उन्होंने शोक संतप्त अभिभावकों को यह दुख सहन करने की शक्ति देने की ईश्वर से प्रार्थना की है। राष्ट्रपति मुर्मू ने रविवार को कहा कि वह इस घटना में घायल हुए अन्य नवजातों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हैं। पूर्वी दिल्ली के विवेक विहार में बच्चों के एक अस्पताल में भीषण आग लगने से कम से कम सात नवजात की मौत हो गई है। राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि दिल्ली के विवेक विहार के एक अस्पताल में आग लगने से अनेक नवजातों की मौत की खबर हृदय विदारक है।

**राजस्थान में 50 डिग्री तो उत्तर भारत में 17 स्थानों पर 45 डिग्री से अधिक रहा तापमान**

# नौतपा का दूसरा दिन: भीषण गर्मी से तप रहा देश...मचा त्राहिमाम

**▸▸ अकोला में धारा 144, इंडो-पाक बॉर्डर पर पारा 55 के पार**

**▸▸ -भोपाल में 44.8 डिग्री पहुंचा टेम्प्रेचर, सीजन का सबसे गर्म दिन, राजधानी में भीषण गर्मी से लोग बेहाल**

**नई दिल्ली। (एजेंसी)**

नौतपा के दूसरे रविवार को मप्र, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, गुजरात हीटवेव का कोप चरम पर रहा। राजस्थान में पिछले 3 दिनों में 22 लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य का फलोदी देश का सबसे गर्म शहर रहा। यहां तापमान 50 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं महाराष्ट्र के अकोला में 45 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। यह राज्य का सबसे गर्म शहर रहा। जिला कलेक्टर ने पब्लिक गैदरिंग रोकने के लिए शहर में धारा 144 लगाई है। नौतपा के दूसरे दिन भोपाल में भीषण गर्मी पड़ रही है। दोपहर 2.30 बजे भोपाल में अधिकतम तापमान 44.8 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। यह पिछले 11 साल में 5वां सबसे अधिक तापमान है। भारत-पाकिस्तान के जैसलमेर से लगी पश्चिमी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर इन दिनों भीषण गर्मी पड़ रही है। गर्मी का आलम यह है कि मानों सूरज आसमान से आग उगल रहा है। बॉर्डर पर तापमान 55 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है और इस जलते अंगारे जैसी सरहद पर बीएसएफ के पुरुष और महिला जवान देश की सुरक्षा करने के लिए ड्यूटी पर तैनात हैं। दिल्ली राजस्थान पंजाब हरियाणा चंडीगढ़ उत्तर प्रदेश मध्य प्रदेश गुजरात छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में 29 मई तक भीषण गर्मी जारी रहेगी। वहीं भीषण गर्मी का असर हिमाचल प्रदेश असम और मेघालय के पहाड़ी इलाकों पर भी पड़ेगा।

**राजस्थान में 22 लोगों की मौत**

देश में गर्मी करोड़ों लोगों की सहनशक्ति की परीक्षा ले रही है। राजस्थान के फलौदी में तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। राज्य में तीन दिन में 20 लोगों की गर्मी के कारण मौत हुई है। आंकड़ों से पता चला है कि पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, गुजरात और मध्य प्रदेश में कम से कम 17 स्थानों पर शनिवार को अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस या उससे ऊपर दर्ज किया गया। राजस्थान में अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे बाड़मेर में तापमान 48.7 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। जैसलमेर में 47.8 डिग्री, बीकानेर में 47.2 डिग्री एवं जोधपुर में 47.4 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

**29 मई तक जारी रहेगी भीषण गर्मी**

दिल्ली, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में 29 मई तक भीषण गर्मी जारी रहेगी।

## लेह जा रहा बोइंग विमान से पक्षी टकराया, वापस दिल्ली लौटा यात्री सुरक्षित

**लद्दाख।** लेह जा रहा स्पाइसजेट का एक विमान रविवार सुबह पक्षी टकराने के कारण दिल्ली वापस लौट आया। यह विमान हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतर गया और सभी यात्री विमान से बाहर आ गए। सूत्रों ने बताया कि स्पाइसजेट ने बयान में कहा कि विमान के इंजन 2 से पक्षी टकराने के बाद एसजी विमान वापस लौट आया। एयरलाइन ने साफ कहा है कि विमान ने इमरजेंसी लैंडिंग नहीं की, बल्कि यह सामान्य तरीके से उतरा। इससे पहले सूत्र ने कहा था कि हवाई अड्डे पर पूर्ण 'इमरजेंसी' घोषित कर दी गई थी। 10:30 बजे उड़ान भरने के बाद इंजन में कंपन की वजह से 11 बजे विमान वापस लौट आया। 135 लोगों को लेकर लेह जा रहा बोइंग 737 विमान दिल्ली हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतर गया।

## महिला सशक्तिकरण पार्टी की पहली प्राथमिकता : खड़गे

**नई दिल्ली। (एजेंसी)**

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने महिला सशक्तीकरण को पार्टी की पहली प्राथमिकता बताते हुए कहा है कि केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनने पर महिलाओं को पूरा सम्मान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यही नहीं आधी आबादी को उनका पूरा हक दिया जाएगा।दरअसल खडगे ने ट्वीट करते हुए नारा दिया नारी न्याय लिखेगा महिला सशक्तिकरण का नया अध्याय। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने महिलाओं के खिलाफ भेदभाव को दूर करने, उनके अधिकारों को बनाए रखने और उन्हें मज़बूत बनाने का संकल्प लिया है। महालक्ष्मी गारंटी योजना लागू कर इसी साल एक जुलाई से हर महीनें, कांग्रेस ने प्रत्येक गरीब परिवार को बिना शर्त 8,500 रुपये नकद हस्तांतरित करने का संकल्प लिया है। इस तरह हर ग़रीब महिला के बैंक खाते में एक साल में एक लाख रुपये आएंगे जिससे उन्हें पढ़ाई, दवाई, कमाई की सहूलियत मिले। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार बनने पर 30 लाख सरकारी पदों को भरने का प्रण लिया है। महिलाओं के लिए केंद्र सरकार की आधी 50 प्रतिशत नौकरियां आरक्षित होगी। कांग्रेस सुनिश्चित करेगी कि उच्च पदों पर जैसे कि न्यायाधीश, सरकार के सचिव, उच्च पदस्थ पुलिस अधिकारी, कानून अधिकारी और बोर्ड निदेशक वाले पदों पर अधिक से अधिक महिलाओं की नियुक्ति हो। इसी के साथ खड़गे ने नारी शक्ति का सम्मान ज़रूरी बताया और कहा, कांग्रेस फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं -आशा, आंगनवाड़ी, मिड-डे मील रसोइया आदि के वेतन में केंद्र सरकार का योगदान दोगुना करने की गारंटी देते हुए 2,500 से अधिक आबादी वाले गाँवों में अतिरिक्त आशा कार्यकर्ता की नियुक्ति करेगी।

खडगे ने आगे कहा कि महिलाओं ने इस चुनाव में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है, और अभी आख़िरी चरण बाक़ी है। इस बार नारी शक्ति बचाओ के लिए नहीं आत्मसम्मान के लिए नारीशक्ति कांग्रेस को चुन रही है।

**- बिखरा और मुद्दाविहीन विपक्ष का फायदा उठाने की कोशिश**

## सातवें चरण में बीजेपी का पंजाब पर फोकस

नई दिल्ली। छठे चरण में कमल मतदान के बाद भी बीजेपी अपनी जीत को लेकर आश्वस्त है बल्कि पिछले रिकॉर्ड को तोड़ने की बात भी कह रही है। बीजेपी अब सातवें और अंतिम चरण के मतदान की तैयारी में जुट गई है। सातवें चरण में बीजेपी पंजाब में ज्यादा सीटें हासिल करने का प्रयास कर रही है। यहां विपक्ष बिखरा है, दूसरी तरफ बीजेपी ने आधे से ज्यादा सीटों पर दूसरे दलों से आए नेताओं पर दांव लगाया है छठे चरण के साथ लोकसभा की 486 सीटों के लिए मतदान पूरा हो गया है। इसमें एक सीट सूरत भी शामिल है, जहां से बीजेपी उम्मीदवार निर्विरोध चुन लिए गए हैं। सावतें चरण की 57 सीटों के लिए एक जून को मतदान होगा। इसमें यूपी की वाराणसी लोकसभा सीट भी शामिल है, जहां से पीएम नरेंद्र मोदी चुनाव लड़ रहे हैं। ऐसे में बीजेपी को इस चरण में भी काफी उम्मीदें हैं। सूत्रों के मुताबिक बीजेपी सबसे ज्यादा कोशिश पंजाब को लेकर कर रही है जहां विपक्ष में घमासान चल रहा है। यह बीजेपी का सबसे कमजोर राज्य है। बीजेपी के एक प्रमुख नेता ने कहा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस ने इंडिया गठबंधन के तहत मिलकर चुनाव लड़ा है, लेकिन पंजाब में एक-दूसरे के विरुद्ध चुनाव मैदान में हैं। साथ ही बसपा-अकाली दल भी चुनाव मैदान में है। ऐसे में चतुष्कोणीय संघर्ष में उसके लिए काफी उम्मीदें हैं। अकाली दल से गठबंधन टूटने के बाद बीजेपी यहां पर लंबे समय बाद अकेले चुनाव लड़ रही है। बीजेपी के एक प्रमुख नेता ने कहा कि इस बार पिछली बार की तुलना में कम मतदान जरूर हुआ है, लेकिन बीजेपी के लिए नतीजे पहले से बेहतर रहेंगे। इसकी वजह बिखरा और मुद्दाविहीन विपक्ष है, जिसका एकमात्र एजेंडा मोदी को सत्ता से बेदखल करना है। पार्टी ने अभी तक के चुनाव के जो आंकड़े जुटाएं हैं, उनको लेकर वह काफी आश्वस्त है। बीजेपी का दावा है कि छह चरणों में ही वह अपने लक्ष्य के करीब पहुंच चुकी है और जो कमी है, उसे आखिरी चरण में पूरा कर लिया जाएगा।

# छठवें चरण में 58 सीटों पर 61 फीसदी हुआ मतदान

**-कई दशक बाद जम्मू-कश्मीर में रिकॉर्ड तोड़ पड़े वोट**

**नई दिल्ली। (एजेंसी)**

लोकसभा चुनाव के छठे चरण का मतदान शनिवार को पूर्ण हो गया। इसमें आठ राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की 58 सीटों पर 61 फीसदी से ज्यादा मतदान हुआ।

जिसमें पश्चिम बंगाल में आठ सीटों पर 79.47 फीसदी, उत्तरप्रदेश में 14 सीटों पर 54.03 फीसदी शामिल हैं। जम्मू-कश्मीर की अनंतनाग-राजौरी सीट पर 54.30 फीसदी मतदान दर्ज किया गया, जो कई दशकों के बाद यहां इतना ज्यादा मतदान हुआ। यह जानकारी चुनाव आयोग ने दी। चुनाव आयोग ने कहा कि देश के कुछ हिस्सों में गर्म मौसम के बावजूद मतदाताओं के उत्साह देखा गया।

मतदाता वोट डालने धैर्यपूर्वक कतार में खड़े रहे। कुछ मतदान केंद्रों पर समय खत्म होने के बाद भी बड़ी संख्या में मतदाता कतार लगे थे। अन्य राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में मतदान ओडिशा में 69.56 फीसदी (6 लोकसभा सीटें और 42 विधानसभा सीटें), झारखंड में 63.76 फीसदी (4 सीटें), हरियाणा में 60.4 फीसदी (10 सीटें), दिल्ली में 57.67 फीसदी (7 सीटें) और यूपी में 54.03 फीसदी (14 सीटें)। इस चरण में ओडिशा के संबलपुर से केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, यूपी के सुल्तानपुर से पूर्व केंद्रीय मेनका गांधी, पश्चिम बंगाल के तमलुक से कलकत्ता हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश अभिजीत गंगोपाध्याय, हरियाणा के कुरुक्षेत्र से उद्योगपति नवीन जिंदल (भाजपा) शामिल हैं। हरियाणा के सिरसा से कुमारी शैलजा, हरियाणा के रोहतक से दीपेंद्र सिंह हुड्डा, दिल्ली के चांदनी चौक से जे.पी. अग्रवाल (कांग्रेस), पीडीपी अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती (अनंतनाग-राजौरी) और अभिनेता-राजनेता दीपक अधिकारी देव पश्चिम बंगाल से घाटल (टीएमसी)। अन्य प्रमुख प्रत्याशियों में बांसुरी स्वराज का नई दिल्ली सीट से आम आदमी पार्टी के सोमनाथ भारती के खिलाफ चुनावी शुरुआत, कांग्रेस के राज बब्बर का गुड़गांव में केंद्रीय मंत्री और मौजूदा सांसद राव इंद्रजीत सिंह से मुकाबला, सपा के धर्मेंद्र यादव का आजमगढ़ में भाजपा सांसद दिनेश लाल यादव निरहुआ से मुकाबला है।

**इन हस्तियों ने डाला वोट**

दिल्ली में वोट डालने वालों में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, सीजेआई डी.वाई चंद्रचूड़, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, कांग्रेस नेता सोनिया, प्रियंका और राहुल गांधी, सीईसी राजीव कुमार व ईसी ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू, क्रिकेटर कपिल देव और अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह शामिल थे। यूपी, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशा के साथ-साथ पंजाब, चंडीगढ़ और हिमाचल प्रदेश की शेष 57 सीटों के लिए मतदान 1 जून को होगा।

## संपादकीय

### अग्निपथ की तपिश

हालांकि मोदी सरकार अग्निपथ योजना को सशस्त्र बलों की गेम-चेंजर और युवा शक्ति के जरिये सेना की ताकत बढ़ाने वाली बताती रही है, लेकिन इस योजना के दीर्घकालिक प्रभावों को लेकर सवाल गाहे-बगाहे उठते रहे हैं। यद्यपि जून 2022 में शुरू की गई अग्निपथ योजना फिलहाल गहन विभागीय जांच के अधीन है, लेकिन विशेषकर, विपक्ष को यह मुद्दा आम चुनाव के दौरान रास आ रहा है। जिन इलाकों से ज्यादा युवा सेना में जाते रहे हैं उन इलाकों में कांग्रेस ने सरकार पर तीखे हमले इस योजना को लेकर किये हैं। दरअसल, इस योजना के अंतर्गत सिर्फ पच्चीस फीसदी अग्निवीरों की सेवाओं को बरकरार रखने का प्रावधान है। यही वजह है कि चार साल का कार्यकाल पूरा होने पर सेवा से बाहर होने वाले अग्निवीरों का मुद्दा राजनीतिक हलकों में विवादास्पद रहा है। यही वजह है कि कांग्रेस ने अपने आम चुनाव 2024 के घोषणापत्र में वायदा किया है कि वह सत्ता में आई तो इस योजना को खत्म कर देगी। साथ ही सेना, नौसेना व वायुसेना द्वारा अपनाई जाने वाली पुरानी भर्ती प्रक्रिया को पुन- लागू करेगी। हालांकि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यह कहा था कि सरकार आवश्यकता पड़ने पर योजना में कोई भी बदलाव लाने को लिये तैयार है। इस बयान के कुछ सप्ताह बाद एक प्रमुख समाचार पत्र ने खबर दी है कि सेना भर्ती प्रक्रिया में अग्निवीर योजना के प्रभाव का आकलन करने के लिये एक आंतरिक सर्वेक्षण कर रही है। यह भी कि अग्निवीरों, यूनिट कमांडरों और रेजिमेंटल केंद्रों के कर्मचारियों की राय मांगी जा रही है। फिर सर्वेक्षण के निष्कर्षों के आधार पर सेना संभावित बदलावों के लिये अगली सरकार को सिफारिशें कर सकती है। हालांकि केंद्र सरकार आश्वासन देती रही है कि अग्निवीरों के रूप में शामिल किये गए युवाओं के भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। उन्हें सरकारी व निजी क्षेत्रों में समायोजित करने में वरीयता देने तथा स्वरोजगार के लिये प्रोत्साहित करने की भी बात होती रही है। लेकिन एक हकीकत यह भी है कि सरकार का ये वायदा 75 फीसदी रंगरूटों की नौकरी की संभावनाओं के बारे में आशंकाओं को दूर करने में विफल रहा है। कहा जा रहा है कि सेवा समाप्ति के बाद इन सेवानिवृत्त अग्निवीरों की रोजगार सुरक्षा दांव पर होगी। यही वजह है कि विपक्षी राजनीतिक दल, खासकर कांग्रेस इस नाराजगी का फायदा उठा रही है। पार्टी ने हरियाणा में इसे चुनावी मुद्दा बनाने की भरसक कोशिश की है। निस्संदेह, मौजूदा परिदृश्य में अग्निपथ की गहन समीक्षा आवश्यक है। सैनिकों की कार्यशील आयु कम कर एक सैन्य बल तैयार करने के मकसद को लेकर कोई किंतु-परंतु नहीं है। लेकिन इस योजना के दूरगामी प्रभावों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। देश में व्यापक बेरोजगारी व अल्प रोजगार की स्थिति को ध्यान में रखते हुए निराश युवाओं के पुनर्वास के लिये सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में समायोजन के लिये दृढ़ प्रतिबद्धता की आवश्यकता होगी। यद्यपि यह भी हकीकत है कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े गंभीर मुद्दों को राजनीति का विषय नहीं बनाया जाना चाहिए। लेकिन सरकारों का भी दायित्व है कि सेना की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए प्रयोगों से बचा जाए। वैश्विक स्तर पर कई विकसित देशों में ऐसे प्रयोग हुए हैं और सफल भी रहे हैं। लेकिन भारत जैसे देश जहां व्यापक बेरोजगारी है और पीढ़ी-दर-पीढ़ी सेना में भर्ती होने की गौरवशाली परंपरा रही है, उनकी भावनाओं से खिलवाड़ नहीं किया जा सकता।

## आज का राशीफल

**मेष** जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

**वृषभ** आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

**मिथुन** आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

**कर्क** राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

**सिंह** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

**कन्या** व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता बनाकर रखना आवश्यक है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

**तुला** व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

**वृश्चिक** शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। विरोधियों का पराभव होगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

**धनु** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है।

**मकर** रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है।

**कुम्भ** दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मन प्रसन्न रहेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

**मीन** गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के विवाद में न पड़ें।

# जल-संकट चुनाव जीतने का नहीं, समाधान का माध्यम बने

(लेखक - ललित गर्ग)

देश के कई भागों में भीषण गर्मी पड़ रही है, जैसे-जैसे गर्मी प्रचंड होती जा रही है, जल संकट की खबरें भी डराने लगी है। राजस्थान, दिल्ली, कर्नाटक आदि प्रांतों में पानी के लिये त्राहि-त्राहि मची है। मध्यप्रदेश के छतरपुर ज़िले महर-खुवा गांव में जल-संकट की तस्वीरें भयावह एवं डराने वाली है। इस गांव में लगभग 100 आदिवासी परिवार रहते हैं, जिनके पास अब इतना भी पानी नहीं बचा है कि ये दिन में दो वक्त का खाना बना सकें और अपनी प्यास बुझा सकें। ऐसे हजारों गांव हैं, जहां पानी के अभाव में जीवन संकट में हैं। भारत अपने इतिहास के सबसे गंभीर जल संकट का सामना कर रहा है। लोकसभा चुनाव अन्तिम चरण की ओर अग्रसर है, आज हमारे उम्मीदवार मुफ्त बिजली और पानी देने का वादा करके चुनाव तो जीत जाते हैं लेकिन भारत में जिस तरह पानी का संकट गंभीर हो रहा है, उससे उनकी कथनी और करनी की असमानता ही बार-बार उजागर होती है। जल-संकट चरम पराकाष्ठा पर है, एक दिन ऐसा भी आ सकता है, जब पैसा देकर भी पानी खरीदना मुश्किल हो जाएगा। जल-संकट चुनाव जीतने एवं राजनीतिक बयानबाजी का हिस्सा तो है, लेकिन समाधान का नहीं। जल संकट ने राजनीतिक रंग तो ले लिया है, विभिन्न राजनीतिक दल एक-दूसरे को दोषी ठहरा रहे हैं और पिस रहा आम आदमी। पैसे वालों के लिए पानी इतनी बड़ी समस्या नहीं है लेकिन जिन लोगों के पास पैसों की किल्लत है, वे पानी की किल्लत से भी जूझ रहे हैं क्योंकि टैंकर का पानी महंगा पड़ रहा है। वास्तव में लगातार बढ़ती गर्मी के कारण जल स्तर में तेजी से गिरावट आ रही है। इसके गंभीर परिणामों के चलते राजस्थान, मध्यप्रदेश, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे राज्यों में पानी की कमी ने गंभीर रूप धारण कर लिया है। देश का आईटी हब बेंगलुरु गंभीर जल संकट से दो-चार है। जिसका असर न केवल कृषि गतिविधियों पर पड़ रहा है बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी भी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। केंद्रीय जल आयोग के नवीनतम आंकड़े भारत में बढ़ते जल संकट की गंभीरता को ही दर्शाते हैं। आंकड़े देश भर के जलाशयों के स्तर में आई चिंताजनक गिरावट की तस्वीर उकेरते हैं। देश में प्रमुख जलाशयों में उपलब्ध पानी में उनकी भंडारण क्षमता के अनुपात में तीस प्रतिशत की गिरावट आई है। जो हाल के वर्षों की तुलना में बड़ी गिरावट है। जो सूखे जैसी स्थिति की ओर इशारा करती है। महर-खुवा गांव की ही तरह अलवर जिले के कई गांव में लोग किसी एक मौसम में नहीं, बल्कि 12 महीनें भीषण जल संकट का सामना कर रहें है। इन गांवो में पानी का स्त्रोत है ही नहीं। इन इलाकों में पानी की इतनी कमी है कि लोग उसे अपने घरों में टैंकर में छिपाकर और ताला लगाकर सुरक्षित रखने लगे हैं। भारत के गांवों में रहनेवाले करीब 20 करोड़ परिवारों के घरों में नल नहीं है। इन परिवारों की औरतें पैदल चलकर, घंटों लाइन में लगकर पानी इकट्ठा करती हैं। इसी चुनौती से निपटने के लिए मोदी सरकार ने साल 2019 में हर घर में नल से पानी पहुंचाने के लिए जल जीवन मिशन की घोषणा की। सरकार का दावा है कि अब तक 10 करोड़ घरों में नल लग गए हैं। लेकिन अभी हजारों गांवों में जल-संकट एक बड़ी समस्या बनी हुई है। एक नागरिक के रूप में हम आत्ममंथन करें कि बढ़ते जल-संकट के समाधान की दिशा में हमने क्या कदम उठाये। क्या पानी की फिजूल खर्ची को कम करने का कोई संकल्प लिया? गर्मी के आने पर हम हाय-हाय तो करने लगते हैं, लेकिन कभी हमने विचार किया कि हम इस स्थिति को दूर करने के लिये क्या योगदान देते हैं? क्या हम पौधा-रोपण की ईमानदार कोशिश करते हैं? हम जल के दुरुपयोग को रोकने का प्रयास करते हैं? क्या वर्षा जल सहेजने का प्रयास करते हैं ताकि तापमान कम करने व भूगर्भीय जल के संरक्षण में मदद मिले? सच कहें तो हमारे पूर्वजों ने प्रकृति के अनुरूप जैसी जीवन शैली विकसित की थी, वह हमें कुदरत के चरम से बचाती थी। राजस्थान में जल-संकट की संभावनाओं को देखते हुए आम नागरिक खुद के स्तर पर व्यापक प्रयत्न करता है। रेगिस्तान से जुड़े अनेक गांवों एवं शहरों में बने या बनने वाले मकानों में कुआ जरूर होता है, जहां बरसात के पानी को एकत्र किया जाता है, जो संकट के समय काम आता है। इसलिये गाँव के स्तर पर लोगों के द्वारा बरसात के पानी को इकट्ठा करने की शुरुआत करनी चाहिये। उचित रख-रखाव के साथ छोटे या बड़े तालाबों को बनाने के द्वारा बरसात के पानी को बचाया जा सकता है। हम महसूस करें कि बढ़ती जनसंख्या का संसाधनों में बढ़ता दबाव भी तापमान की वृद्धि एवं जल-संकट का कारण है। बड़ी विकास परियोजनाओं व खनन के लिये जिस तरह जंगलों को उजाड़ा गया, उसका खमियाजा हमें और आने वाली पीढ़ियों को भुगतना पड़ेगा। विलासिता के साधनों, वातानुकूलन के मोह, वाटर-पार्कों एवं होटलों में पानी के अपव्यय को रोकने के लिये जन-चेतना जागृत करने की अपेक्षा है। हमारे पुरखों ने मौसम अनुकूल खानपान, परंपरागत पेय-पदार्थों के सेवन तथा मौसम अनुकूल जीवन शैली के साथ-साथ जल-संरक्षण का ऐसा ज्ञान दिया, जो हमें मौसम के चरम में सुरक्षित रख सकता है। एक व्यक्ति के रूप में हम बहुत कुछ ऐसा कर सकते हैं जिससे जल-संकट से खुद व समाज को सुरक्षित कर सकते हैं। सरकार व समाज मिलकर जल-संकट का मुकाबला कर सकते हैं। भारत में जल-संकट की समस्या से निपटने के लिये प्राचीन समय से जो प्रयत्न किये गये है, वे दुनिया के लिये मार्गदर्शक हैं। देश के सात राज्यों के 8220 ग्राम पंचायतों में भूजल प्रबंधनों के लिए अटल भूजल योजना चल रही है। स्थानीय समुदायों के नेतृत्व में चलने वाला यह दुनिया का सबसे बड़ा कार्यक्रम है। साथ ही, नल से जल, नदियों की सफाई, अतिक्रमण हटाने जैसे प्रयास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हो रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उचित ही रेखांकित किया कि सभी राज्यों को मिलकर काम करना होगा तथा जल संरक्षण एवं उपयोग किये गये पानी को फिर से इस्तेमाल में लाने के उपाय करने होंगे। हमारे यहां जल बचाने के मुख्य साधन है नदी, ताल एवं कूप। इन्हें अपनाओं, रक्षा करो, अभय दो, इन्हें मरुस्थल के हवाले न करो। अन्तिम समय यही तुम्हारे जीवन और जीवनी को बचायेंगे। धरती के क्षेत्रफल का लगभग 70 प्रतिशत भाग जल से भरा हुआ है। परंतु, पीने योग्य जल मात्र तीन प्रतिशत है। इसमें से भी मात्र एक प्रतिशत मीठे जल का ही वास्तव में हम उपयोग कर पाते हैं। 2030 तक देश में पानी की मांग उपलब्ध जल वितरण की दोगुनी हो जाएगी। जिसका मतलब है कि करोड़ों लोगों के लिए पानी का गंभीर संकट पैदा हो जाएगा। स्वतंत्र संस्थाओं द्वारा जुटाए डाटा में दर्शाया गया है कि करीब 70 प्रतिशत प्रदूषित पानी के साथ भारत जल गुणवत्ता सूचकांक में 122 देशों में 120वें पायदान पर है। नीति आयोग ने कहा है, 'अभी 60 करोड़ भारतीय गंभीर से गंभीरतम जल संकट का सामना कर रहे हैं और दो लाख लोग स्वच्छ पानी तक पर्याप्त पहुंच न होने के चलते हर साल अपनी जान गंवा देते हैं।' इन जटिल एवं विकराल स्थितियों एवं डरावने तथ्यों के बावजूद हम पानी का इस्तेमाल करते हुए पानी की बचत के बारे में जरा भी नहीं सोचते, जिसके परिणामस्वरूप अधिकांश जगहों पर जल संकट की स्थिति पैदा हो चुकी है। (लेखक, पत्रकार एवं समाजसेवी)

# चुनाव के अंतिम चरण में राजनीति

( लेखक - राकेश अचल )

7 लोकसभा चुनाव के लिए मतदान का अंतिम चरण 1 जून को समाप्त होगा,इससे पहले राजनीति में मुजरा बाकी रह गया था ,लेकिन पाटिलीपुत्र में माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी वो भी करा ही दिया। मोदी जी के मुजरा उल्लेख के बाद समूचा विपक्ष मुजरा करता नजर आ रहा है। मुझे लगता है की मोदी जी ने जिस तरिके से मुजरा शब्द का इस्तेमाल किया है उसे लेकर बिदकने की जरूरत नहीं है ,क्योनी मोदी जी खुद मुजरा का वास्तविक अर्थ शायद नहीं जानते । उन्होंने मुजरा का इस्तेमाल तंज के रूप में किया है। प्रधानमंत्री ने पाटलिपुत्र लोकसभा क्षेत्र में एक रैली में कहा कि- ''बिहार वह भूमि है जिसने सामाजिक न्याय की लड़ाई को एक नई दिशा दी है. मैं इसकी धरती पर यह घोषणा करना चाहता हूं कि मैं एससी, एसटी और ओबीसी के अधिकारों को लूटने और उन्हें मुसलमानों को देने की 'इंडिया गठबंधन की योजनाओं को विफल कर दूंगा. वे गुलाम बने रह सकते हैं और अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए मुजरा कर सकते हैं.जाहिर है की मोदी जी को मुजरा करना या तो आता नहीं है या फिर वे इसे रोज करते हैं लेकिन जानते नहीं हैं। मेरी दृष्टि में मुजरा कोई असंसदीय शब्द नहीं है ,लेकिन इसमें सामानवाद की बू जरूर आती ह। चूंकि मुजरा प्रथा मुगलकालीन है और बाद में सभी जातियों कि सामंतों ने इसे इस्तेमाल किया इसलिए इसे आप सामंती तो कह सकते हैं किन्तु असंसदीय नहीं। दरअसल मुजरा संस्कृति हुजूर से निकल क्र जब कोठों में प्रतिष्ठित हो गयी तो लोग इससे बचने लगे। मै चूंइक आजादी कि पहले की एक बड़ी रियासत रहे ग्वालियर में रहता हूँ इसलिए मुजरे कि बारे में बाखूबी जानता हो। हमारे यहां सिंधिया कि महल में आज भी मुजरा किया जाता है। छोटे बड़ों को मुजरा करते ही है। मैंने इसी महल में स्वर्गीय अर्जुन सिंह और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह तक को मुजरा करते देखा है। कहते हैं की जब आप किसी कि हुजुर [दरबार या अदालत ] में जायेंगे तो आपको झुककर नमस्कार तो करना ही होता है। यही मुजरा है। मुजरा आदर प्रकट करने का तरीका भर है कोटों पार तवायफों द्वारा किया जाने वाला मुजरा भी करीबन-करीबन इसी सभ्यता का सांस्कृतिक स्वरूप ह। वैश्याएं बैठकर मुजरा करतीं हैं ,बाद में इसमें हिन्दुस्तानी नृत्यशैली कि अनेक अंग शामिल कर लिए गए। मुरा सलीका है और इसे सीखने कि लिए पुराने जमाने में वैश्याएं बाकायदा एक ट्यूटर की भूमिका में होतीं थी । सामंतों कि बच्चों को मुजरा करने का अंदाज इन्हीं वैश्यों से सीखना पड़ता थी । मुजरा ईश्वर कि साथ ही आपके मौजूदा मालिक [स्वामी] को भी प्रसन्न करने की एक विधा है ।

मोदी जी को आपत्ति मुजरा करने पर नहीं है। उनकी आपत्ति इस पर है की ये मुजरा अव्वल कांग्रेस क्यों करती है और मुसलमानों कि लिए क्यों करती है ? मुजरा विनम्रता की निशानी है। खुश करने का तौर-तरीका है । मोदी जी बहुसंख्यकों कि सामने मुजरा करते हैं ,लेकिन उन्हें पता नहीं होता की वे जो कर रहे हैं वो मुजरा है। आरक्षण कि मुद्दे पर मोदी जी बहके हुए हैं और इसीलिए बार-बार कहते हैं की वे मर जायेंगे लेकिन पिछड़ों कि आरक्षण पर किसी को डाका नहीं डालने देंगे। मोदी जी हर चीज पर अपना एकाधिकार चाहते है। मुजरे पर भी उन्हें एकाधिकार चाहिए। मोदी जी बीते एक दशक से बहुसंख्यक हिन्दुओं कि सामने मुजरा कर रहे हैं लेकिन किसी ने कभी उज्र नहीं किया। कांग्रेस ने तो बिलकुल नहीं।

एक हकीकत ये भी है की राजनीति कि अलावा किसी और धंधे में मुजरा करने की न तो जरूरत पड़ती है और न मुजरे की कोई परम्परा है। चाय बेचने में तो कोई किसी का मुजरा नहीं करता। पैसा फैंको और चाय पियो । सियासत में तो बिना मुजरा करे न आपको संगठन में कोई पद मिलेगा और न टिकिट। जीत गए तो मंत्रिपद पाने कि लिए मुजरा करना पडेगा ही। मुझे याद है कि एक जमाने में जब रानी महल में राजमाता संप्रभु थीं और जनसंघ का जमाना था तब जनसंघ कि तमाम नेता महल में राजमाता विजयराजे सिंधिया के सामने पूरी श्रद्धा से मुजरा करते थे। भाजपा कि तमाम छोटे-बड़े नेताओं ने भी मुजरा करते देखे जा सकते हैं।

मुझे नहीं पता की मोदी जी ने अपने मुसलमान विरोधी रवैये की वजह से अपनी युवावस्था में मुगलेआजम फिल्म देखी या नहीं देखी। यदि देखी होती तो वे मुजरे को अपने व्यंग्य के लिए इस्तेमाल नहीं करते। मोदी जी की टिप्पणी से आहत विपक्ष ने तो अपने गुस्से का मुजाहिरा कर दिया लेकिन मुजरा करने वाली वेश्याएं खामोश हैं। वैश्याएं मतदान करने जाती हैं या नहीं मुझे नहीं पता। लेकिन यदि जातीं होंगी तो वे चुनाव के बाद इसका संज्ञान अवश्य लेंगीं। मुजरा साष्टांग दंडवत से ज्यादा अच्छा तरीका है। दंडवत प्रणाम करने के लिए लकुटी की भांति भूमि पर लेटकर अपने छहों अंगों को जमीन से मिलना पड़ता है। मोदी जी को मुजरा करना नहीं आता लेकिन दंडवत प्रणाम करना आता है । वे मुजरा करते नहीं बल्कि कराते है। वे चाहते हैं कि कांग्रेस और समूचा विपक्ष अल्पसंखयकों का मुजरा करना छोड़ उनके सामने मुजरा करे।

वर्ष 2024 के आम चुनाव में सियासत ने सब कुछ तो करवा डाला ? पहले एक के बाद एक नया हौवा खड़ा किया गया और जब इन हौवों से भी मतदाता का मिजाज नहीं बदला तो वे मुजरे पर आ गए। 4 जून की तारीख वो तारीख है जो बताएगी की मुजरा कौन कर रहा है और कौन देख रहा है ? मुजरे में नृत्य,संगीत ,अंग संचालन का बड़ा महत्व है। मुजरा वैश्याएं करें या नेता करें । कोई फर्क नहीं पड़ता ,लेकिन फर्क तो तब पड़ता है जब मुजरा करने के बाद कोई खुश होता है या नहीं। जिन लोगों ने मोदी जी के हुजूर में मुजरा नहीं किया उन्हें चुनाव से पहले ही ब्लैकलिस्ट कर दिया गया और जिन्होंने किया उन्हें पुरस्कृत भी किया गया।मोदी जी के इजलास में मुजरा करने से बचने की कोशिश करने वालों को क्या-क्या नहीं भुगतना पड़ा।

मुजरा करने की आगे भी ये रिवायत आगे भी जारी रहने वाली है। वोट के लिए साष्टांग दंडवत प्रणाम करने से अच्छा तो मुजरा है। झुको लेकिन आधे झुको। पूरा झुकना तो गुलामी का प्रतीक है।पिछले दो महीने से बड़े से बड़े तुर्रम खान जनता के इजलास में मुजरा ही तो कर रहे थे। अभी एक जून तक ये परम्परा जारी रहेगा । मुजरा करने पर न तो किसी को तड़ीपार जाना पड़ता है और न ही संसद से बाहर किया जा सकता। मुजरा करने वाले का कभी कोई नुक्सान नहीं होता । बेहतर है कि देश कि नेताओं में मुजरत्व बचा रहे। ताली बजाने या थाली बजाने से बेहतर है की आप मुजरा करें। मै मुजरा शब्द कि इस्तेमाल कि लिए माननीय प्रधानमंत्री की निंदा नहीं करता। लेकिन उनकी सराहना भी नहीं करना चाहता,क्योंकि वे इस हबड का इस्तेमाल किये बिना भी अपनीबात कह सकते थे। मोदी जी ने मुजरा शब्द का इस्तेमाल गुस्से में किया है ,जो उचित नहीं है।

विचार मंथन

# मानवीय लापरवाही से मौत का दिन बना शनिवार

(लेखक- सनत जैन )

देश के अलग-अलग हिस्सों में शनिवार को कई अग्निकांड की घटनाएं सुनने को मिली। 56 से अधिक लोगों की मौत हो गई। इसमें बच्चे सबसे ज्यादा शिकार हुए। गुजरात के राजकोट और दिल्ली में हुए अग्नि दुर्घटना के कारण एक बार फिर लोगों का गुस्सा सड़क पर आकर फूटा। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में शनिवार की देर रात एक भीषण सड़क दुर्घटना हुई। जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई। 10 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। सभी यात्री उत्तराखंड के पूर्णागिरि माता के दर्शन करने के लिए जा रहे थे। तभी रास्ते में यह दर्दनाक हादसा हुआ। शनिवार का दिन एक तरह से सैकड़ों लोगों के लिए काल बनकर सामने आया। इस तरह की दुर्घटनाओं के पीछे ग्रह नक्षत्र और अयोध्या के राम मंदिर मे भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा से जोड़कर भी देखा जा रहा है। सनातन धर्म के सर्वोच्च चारों शंकराचार्य ने अधोध्या के मंदिर में भगवान राम की जो प्राण प्रतिष्ठा हो रही थी। उसका विरोध करते हुए कहा था, यदि प्राण प्रतिष्ठा बिना शिखर निर्माण की गई, तो कई प्राकृतिक और अप्राकृतिक घटनाओं का सामना करना पड़ेगा। वर्तमान समय के सबसे चर्चित ज्योतिषी राजीव नारायण ने भी इस साल का जो भविष्यफल बताया था। उसमें प्राकृतिक आपदाओं के आने की बात कही थी। उन्होंने भी भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा गलत मर्हूत पर होने से असहमति जताई थी। शनिवार को वह सभी आशंकाएं सच होती हुई दिखी। शनिवार की रात को दिल्ली मे बच्चों के एक अस्पताल में आग लगी। इस दर्दनाक हादसे में सात बच्चों की आग से झुलसकर मौत हो गई। 12 बच्चों को किसी तरीके से बचाने की कोशिश की गई।

शनिवार को ही दिल्ली के कृष्णानगर में एक आवासीय भवन में आग लगी। जिसमें 10 लोग हादसे में घायल हुए। तीन लोगों की मौत हो गई। सबसे ज्यादा हृदय विदारक घटना गुजरात के राजकोट में हुई। राजकोट के गेमिंग जोन में आग लगने से 12 बच्चों सहित 35 लोगों के मौत की पुष्टि हो चुकी है। यह संख्या और भी बढ़ सकती है। इस गेमिंग जोन में करीब 1000 से 1500 लीटर डीजल और पेट्रोल का भंडारण किया गया था। बिना एनओसी के और बिना फायर सेफ्टी के इस गेमिंग जोन का संचालन किया जा रहा था। एक ही दिन में देश भर से कई छोटी बड़ी घटनाएं सामने आई हैं। जिसमें सैकड़ो लोगों की मृत्यु हुई है। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में भीषण सड़क हादसे में घटनास्थल पर ही 11 लोगों की मौत हो गई। 10 गंभीर रूप से अभी भी घायल हैं। सभी मृतक और घायल उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले के रहने वाले थे। यह सभी यात्री उत्तराखंड में पूर्णागिरि माता के दर्शन करने के लिए जा रहे थे, तभी यह घटना हुई। मानवीय लापरवाही और प्राकृतिक रूप मे जिस तरह की घटनाएं हो रही हैं। उससे अब लोगों में भय उत्पन्न होने लगा है। मानवीय भूल और लापरवाही के कारण कहीं यह दुर्घटनाएं हुईं है।

जो चर्चा का विषय बन गई है। अयोध्या में राम मंदिर मे प्राण प्रतिष्ठा को लेकर देश के चारों शंकराचार्य ने इस धार्मिक अनुष्ठान का विरोध किया था। चारों शंकराचार्य का कहना था, जब तक मंदिर के शिखर का निर्माण ना हो जाए। तब तक भगवान राम की नवीन प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा नहीं की जा सकती है।

पुरानी रामलला मूर्ति स्थापित करके जरूर उसकी पूजा पाठ की जा सकती थी। सभी शंकराचार्य ने कहा था, आधे अधूरे मंदिर में यदि भगवान की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। तो प्राकृतिक आपदाओं का कोप सहना पड़ेगा। अयोध्या मंदिर के प्रबंधकों द्वारा शंकराचार्यों की बात नहीं मानी गई। अयोध्या के राम मंदिर में नवीन मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई है। उसके बाद से देश में प्राकृतिक आपदाएं बढ़ रही हैं। इससे लोगों के मन में डर और भय फैल रहा है। 4 जून को लोकसभा चुनाव की 542 सीटों की मतगणना होनी है। चुनाव परिणामों को लेकर भी देश में तरह-तरह की आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं। प्राकृतिक आपदाओं और दुर्घटनाओं से लोगों के मन में डर और भय बैठ रहा है। नियमों की अवहेलना करके बिना किसी सुरक्षा इंतजाम के राजकोट में गेमिंग जोन चलाये जाने तथा दिल्ली के बच्चों के अस्पताल में बिना किसी सुरक्षा इंतजाम के जिस तरह के अस्पताल का संचालन किया जा रहा था। उससे लोगों में सरकारी अमले के खिलाफ नाराजगी देखने को मिल रही है। बहरहाल एक ही दिन में इतनी सारी दुर्घटनाएं होने से लोगों में डर और भय का वातावरण बन रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## भारत में जेएलआर को उद्योग अधिक तेजी से बढ़ने की उम्मीद

**नई दिल्ली ।** टाटा मोटर्स के स्वामित्व वाली जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) को चालू वित्त वर्ष में लक्जरी कार बाजार की कुल वृद्धि की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ने की उम्मीद है। जेएलआर के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि कंपनी स्थानीयकरण को बढ़ा रही है और साथ ही अपने उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार कर रही है। इससे उसे अपनी बिक्री में वृद्धि उद्योग से तेज रहने की उम्मीद है। कंपनी भारत में रेंज रोवर और रेंज रोवर स्पोर्ट की स्थानीय असेंबली शुरू करने के लिए तैयार है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी की बिक्री इससे पिछले साल की तुलना में 81 प्रतिशत बढ़कर 4,436 इकाई रही है। कंपनी का इरादा अगले तीन साल में भारत में अपने कारोबार को दोगुना करने का है। उन्होंने कहा` कि पिछले वित्त वर्ष में लक्जरी कार खंड 20 से 25 प्रतिशत की दर से बढ़ा है। अगले कुछ साल में भी यही वृद्धि दर रहने की उम्मीद है। हमें उम्मीद है कि हम इससे अधिक वृद्धि हासिल करेंगे। उन्होंने कहा कि अगले पांच साल में देश का लक्जरी कार खंड दोगुना हो जाएगा। अभी यह 48,000 इकाई सालाना का है।

## जून में बैंकों में रहेगा 10 दिन का अवकाश

**नई दिल्ली ।** बैंकों में जून में कई दिन छुट्टियां रहने वाली हैं। यहां बैंकों में छुट्टियों की पूरी लिस्ट दी जा रही है, जिससे आपको किसी तरह की कोई समस्या न हो। हर हफ्ते के रविवार को और महीने के दूसरे व चौथे शनिवार को बैंकों की छुट्टी रहती है। अगले महीने यानी जून में बैंकों में कुल 10 दिन छुट्टी रहने वाली है। इन तारीखों पर बंद रहेंगे बैंक- 2 जून को रविवार, 8 जून को दूसरे शनिवार, 9 जून को रविवार को देश भर में बैंक बंद रहेंगे। वहीं 15 जून को राजा संक्रांति के चलते भुवनेश्वर और आइजॉल जोन में बैंक बंद रहेंगे। 16 जून को रविवार के बैंकों का साप्ताहिक अवकाश रहेगा, 17 जून को बकरीद के चलते बैंक बंद रहेंगे। 18 जून को जम्मू और श्रीनगर जोन में बैंक बंद रहेंगे। 22 जून को चौथे शनिवार के चलते बैंकों का अवकाश रहेगा। 23 जून को रविवार के चलते बैंकों का साप्ताहिक अवकाश रहेगा और 30 जून को रविवार के चलते बैंक बंद रहेंगे। आप बैंक बंद के दौरान बैंक से जुड़े हुए कई सारे काम आप मोबाइल या नेट बैंकिंग के जरिए भी कर सकते हैं। बैंक बंद रहने के दौरान सभी ऑनलाइन सुविधाएं चालू रहने वाली हैं।

## ऑफिस स्पेस सॉल्यूशन के आईपीओ को मिल रहा जोरदार रिस्पॉन्स

**नई दिल्ली ।** ऑफिस स्पेस सॉल्यूशन के आईपीओ को जोरदार रिस्पॉन्स मिल रहा है। आईपीओ को अब तक 11 गुना से ज्यादा सब्सक्राइब किया जा चुका है। 22 मई को बोली लगाने के लिए खुले आईपीओ में 27 मई तक निवेश किया जा सकता है। ऑफिस स्पेस का जीएमपी अभी 108 रुपये पर है। जीएमपी यानी ग्रे मार्केट प्रीमियम से मोटे तौर पर शेयरों की लिस्टिंग कितनी मजबूत या कमजोर होगी, इसका अंदाजा लग जाता है। अगर जीएमपी पॉजिटिव है तो शेयरों की लिस्टिंग बेहतर होने की उम्मीद रहती है। वहीं नेगेटिव जीएमपी इसका उलटा होता है। 108 रुपये के जीएमपी का मतलब है कि जिस कीमत पर लोग बोली लगा रहे हैं उसमें 108 रुपये और जुड़कर इस शेयर का बाजार में डेब्यू होगा। आईपीओ का प्राइस बैंड 364 रुपये से 383 है। अगर अपर प्राइस बैंड के ऊपरी हिस्से में जीएमपी को जोड़कर देखा जाए तो इस शेयर के 491 रुपये पर लिस्ट होने की उम्मीद है। हालांकि, जीएमपी किसी शेयर की लिस्टिंग कैसी रहेगी इसे बताने के लिए कोई औपचारिक तरीका नहीं है। यह बाजार के हितधारकों द्वारा लगाए जा रहे कयासों पर आधारित होता है। इसलिए किसी आईपीओ में निवेश करने के लिए केवल जीएमपी को आधार नहीं बनाना चाहिए।

## सेंसेक्स की 10 प्रमुख कंपनियों में से नौ का मार्केट कैप 1.85 लाख करोड़ बढ़ा

### - सबसे अधिक लाभ में आरआईएल और एचडीएफसी रहीं

**नई दिल्ली ।**

बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से नौ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 1,85,320.49 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है। सबसे अधिक लाभ रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक को हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सिर्फ आईटीसी के बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई। सप्ताह के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 61,398.65 करोड़ रुपये बढ़कर 20,02,509.35 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एचडीएफसी बैंक ने सप्ताह के दौरान 38,966.07 करोड़ रुपये जोड़े और इसका बाजार मूल्यांकन 11,53,129.36 करोड़ रुपये हो गया। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की बाजार हैसियत 35,135.36 करोड़ रुपये बढ़कर 6,51,348.26 करोड़ रुपये हो गई। भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 22,921.42 करोड़ रुपये बढ़कर 7,87,838.71 करोड़ रुपये पर और हिंदुस्तान यूनिलीवर का 9,985.76 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 5,56,829.63 करोड़ रुपये हो गया। इन्फोसिस की बाजार हैसियत 8,821.99 करोड़ रुपये बढ़कर 6,08,198.38 करोड़ रुपये रही। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का मूल्यांकन 6,916.57 करोड़ रुपये बढ़कर 7,39,493.34 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आईसीआईसीआई बैंक ने सप्ताह के दौरान 903.31 करोड़ रुपये जोड़े, जिससे इसका मूल्यांकन 7,95,307.82 करोड़ रुपये हो गया। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मूल्यांकन 271.36 करोड़ रुपये बढ़कर 13,93,235.05 करोड़ रुपये हो गया। इस रुख के उलट आईटीसी का बाजार मूल्यांकन 436.97 करोड़ रुपये घटकर 5,44,458.70 करोड़ रुपये रह गया। प्रमुख 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही। इसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, एसबीआई, एलआईसी, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

## एफपीआई ने मई में अब तक शेयरों से निकाले 22,000 करोड़

### - अप्रैल में शेयरों से 8,700 करोड़ रुपये से अधिक निकाले थे

**नई दिल्ली ।** लोकसभा चुनाव के परिणामों को लेकर अनिश्चितता और चीन के बाजारों के बेहतर प्रदर्शन से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने अब तक भारतीय शेयरों से 22,000 करोड़ रुपये की भारी निकासी की है। इससे पहले मॉरीशस के साथ भारत की कर संधि में बदलाव और अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल में निरंतर वृद्धि को लेकर चिंता के बीच एफपीआई ने अप्रैल में शेयरों से 8,700 करोड़ रुपये से अधिक निकाले थे। वहीं एफपीआई ने मार्च में शेयरों में 35,098 करोड़ रुपये और फरवरी में 1,539 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। आगे चलकर जैसे-जैसे चुनाव के मोर्चे पर चीजें स्पष्ट होंगी, एफपीआई की भारतीय बाजार में लिवाली बढ़ेगी। बाजार के जानकारों का कहना है कि एफपीआई की लिवाली का सिलसिला चुनावी नतीजों से पहले भी शुरू हो सकता है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने 24 मई तक शेयरों से शुद्ध रूप से 22,047 करोड़ रुपये निकाले हैं। उन्होंने कहा कि एफपीआई की भारी बिकवाली की वजह चीन के शेयर बाजार का बेहतर प्रदर्शन है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा भारत में आम चुनाव की वजह से भी एफपीआई बिकवाली कर रहे है।। आम चुनाव के नतीजों को लेकर अनिश्चितता के बीच विदेशी निवेशक इस समय भारतीय शेयर बाजारों में उतरने से कतरा रहे हैं। वे इसके लिए चुनावी नतीजों का इंतजार कर रहे हैं। समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने ऋण या बॉन्ड बाजार में 2,009 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इससे पहले एफपीआई ने मार्च में बॉन्ड बाजार 13,602 करोड़ रुपये, फरवरी में 22,419 करोड़ रुपये और जनवरी में 19,836 करोड़ रुपये का निवेश किया था।

## वैश्विक रुख और कंपनियों के तिमाही परिणाम तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

### - कच्चे तेल के दाम और रुपये के उतार-चढ़ाव पर भी निवेशकों की नजर रहेगी

**नई दिल्ली**

चुनाव और तिमाही पे रिणामों का सीजन अब समाप्ति की ओर है, ऐसे में इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में कुछ मजबूती देखने को मिल सकती है। हालांकि, इसके साथ ही बाजार में कुछ उतार-चढ़ाव भी देखने को मिलेगा। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों का कहना है कि वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियां भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेंगी। पिछले सप्ताह बाजार में रिकॉर्ड तेजी देखने को मिली थी। विश्लेषकों ने कहा कि वैश्विक स्तर पर ब्रेंट कच्चे तेल के दाम और डॉलर के मुकाबले रुपये के उतार-चढ़ाव पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। गुरुवार को मासिक डेरिवेटिव अनुबंधों का निपटान है। इससे भी बाजार में उतार-चढ़ाव आ सकता है। बाजार के जानकारों ने कहा कि चौथी तिमाही के नतीजे अब समाप्ति की ओर हैं। इस सप्ताह टाटा स्टील सहित कई कंपनियां अपने तिमाही नतीजों की घोषणा करेंगी। कंपनियों के बेहतर नतीजों से बाजार की रफ्तार को कायम रखने में मदद मिल सकती है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के नतीजों की घोषणा चार जून को होगी। चुनावी नतीजों से विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के प्रवाह को बल मिल सकता है। उन्होंने कहा कि वैश्विक मोर्चे पर जापान और अमेरिका के आगामी आर्थिक आंकड़ों के साथ-साथ वैश्विक मुद्रा बाजार में हलचल भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेगी। इस सप्ताह बाजार की नजर आम चुनाव, वैश्विक रुझान और कंपनियों के तिमाही नतीजों पर रहेगी। सप्ताह के दौरान एलआईसी, एनएमडीसी, आईआरसीटीसी और एमएमटीसी अपने मार्च तिमाही के नतीजों की घोषणा करेंगी। कुल मिलाकर बाजार के जानकारों को उम्मीद है कि बाजार में धीरे-धीरे तेजी आएगी। मार्च तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के आंकड़े शुक्रवार को जारी किए जाएंगे। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,404.45 अंक के लाभ में रहा। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 455.1 अंक चढ़ गया। सेंसेक्स शुक्रवार को 75,636.50 अंक के अपने दिन में कारोबार के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंचा। निफ्टी ने उसी दिन पहली बार 23,000 अंक का आंकड़ा पार किया। दिन में कारोबार के दौरान यह 23,026.40 के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर तक गया।

## निदेशकों को नियुक्त करने में विफल रहने पर तेल व गैस कंपनियों पर जुर्माना

***- सार्वज निक क्षेत्र की तेल व गैस कंप नियों पर कुल मिलाकर 34 लाख का जुर्माना लगाया गया***

**नई दिल्ली ।** इंडियन ऑयल, ओएनजीसी और गेल (इंडिया) लिमिटेड सहित सार्वजनिक क्षेत्र की कई तेल एवं गैस कंपनियों पर निदेशक मंडल में निदेशकों की नियुक्ति में विफल रहने पर जुर्माना लगाया गया है। शेयर बाजारों ने इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल), ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी), ऑयल इंडिया लि. त(ओआईएल) और मेंगलूर रिफाइनरी एंड पेट्रोके मिकल्स (एमआरपीएल) पर कुल मिलाकर 34 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। शेयर बाजारों से यह जानकारी मिली है। इन कंपनियों ने अलग से दी सूचना में बीएसई और एनएसई द्वारा उन पर लगाए गए जुर्माने की जानकारी दी है। यह जुर्माना इन पर 31 मार्च, 2024 तक अपने निदेशक मंडल में जरूरी संख्या में स्वतंत्र निदेशकों या महिला निदेशकों की नियुक्ति नहीं करने के लिए लगाया गया है। हालांकि, इन कंपनियों ने स्पष्ट किया है कि निदेशकों की नियुक्ति सरकार द्वारा की जाती है और इसमें उनकी कोई भूमिका नहीं है। इन कंपनियों पर पिछली तीन तिमाहियों में भी इसी कारण से जुर्माना लगाया गया था। आईओसी, एचपीसीएल, बीपीसीएल, गेल, ओआईएल और एमआरपीएल ने अलग-अलग भेजी सूचना में कहा है कि उन पर 5,36,900 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। ओएनजीसी पर 1,82,900 रुपये का जुर्माना लगा है। सूचीबद्धता मानदंडों के अनुसार कंपनियों के बोर्ड में स्वतंत्र निदेशकों की संख्या भी कार्यकारी निदेशकों के अनुपात में होनी चाहिए। इसके अलावा उनके बोर्ड में कम से कम एक महिला निदेशक होनी चाहिए। ओएनजीसी ने कहा कि उसके बोर्ड में एक स्वतंत्र निदेशक की कमी कारण उस पर जुर्माना लगाया गया है। आईओसी ने कहा` कि निदेशकों की नियुक्त करने का अधिकार भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के पास है। ऐसे में निदेशक मंडल में महिला निदेशक या स्वतंत्र निदेशक की नियुक्ति सरकार को करनी होती है। वह इस चूक के लिए जिम्मेदार नहीं है और उस पर से जुर्माना हटाया जाना चाहिए। अन्य कंपनियों ने भी कुछ इसी तरह की दलीलें दी हैं।

## अदाणी पोर्ट कंपनी होगी अगले महीने से सेंसेक्स में शामिल

**मुंबई ।** अगले महीने 24 जून को अदाणी ग्रुप की पोर्ट कंपनी अदाणी पोर्ट एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एसईजेड) बीएसई के मुख्य बेंचमार्क सेंसेक्स में शामिल हो जाएगी। यह कंपनी बीएसई के बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स में विप्रो की जगह लेगी। एशिया इंडेक्स प्राइवेट की ओर से इंडेक्स में बदलाव के नतीजे जारी किए गए। इसमें बताया गया कि 24 जून को अदाणी पोर्ट सेंसेक्स में विप्रो की जगह लेगा। इस हफ्ते बाजार में आई एक रिपोर्ट में बताया गया था कि अदाणी एंटरप्राइजेज, विप्रो की जगह सेंसेक्स में ले सकता है। कारोबारी सत्र में भी अदाणी ग्रुप के शेयरों में जबरदस्त एक्शन देखने को मिला। अदाणी टोटल गैस 2.5 प्रतिशत बढ़कर, अदाणी ग्रीन एनर्जी और अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस करीब 0.50 प्रतिशत बढ़कर बंद हुआ। हालांकि, अदाणी एंटरप्राइजेज करीब सपाट बंद हुआ है। भारतीय बाजार में शुक्रवार के सत्र में सीमित दायरे में कारोबार देखने को मिला। सेंसेक्स 7 अंक और निफ्टी 10 अंक की गिरावट के साथ क्रमशः 75,410 अंक और 22,957 अंक पर बंद हुआ। अदाणी पोर्ट की सेंसेक्स में एंट्री ने बाजार को आश्चर्यचकित किया है!

## देश के कई राज्यों में बढ़े पेट्रोल-डीजल के भाव

### - ब्रेंट क्रूड 82.12 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में रविवार को कोई बदलाव नहीं हुआ है। रविवार डब्ल्यूटीआई क्रूड 77.72 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 82.12 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के ताजा भाव जारी कर दिए हैं। महाराष्ट्र में पेट्रोल और डीजल 28 पैसे महंगा हो गया है। पंजाब में पेट्रोल 21 पैसे और डीजल 24 पैसे महंगा हो गया है। इसके अलावा राजस्थान, झारखण्ड और हिमाचल प्रदेश में भी पेट्रोल-डीजल महंगा हो गया है। दूसरी ओर उत्तर प्रदेश में पेट्रोल 23 और डीजल 27 पैसे सस्ता हो गया है। पश्चिम बंगाल में पेट्रोल की कीमत में 54 पैसे और डीजल में 51 पैसे की गिरावट है। कर्नाटक, केरल, तेलंगाना और ओडिशा में भी पेट्रोल की कीमत में हल्की गिरावट है। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.88 रुपये और डीजल 92.47 रुपये प्रति लीटर है। नोएडा में पेट्रोल 94.66 रुपये और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 94.65 रुपये और डीजल 87.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 94.66 रुपये और डीजल 87.78 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 105.70 रुपये और डीजल 92.53 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपये और डीजल 79.74 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

## जनवरी-मार्च में आठ प्रमुख शहरों में सस्ते घरों की आपूर्ति 38 प्रतिशत घटी

### - एक साल पहले की समान अवधि में सस्ते घरों की आपूर्ति 53,818 इकाई थी

**नई दिल्ली ।**

रियल एस्टेट के आंकड़ों का विश्लेषण करने वाली एक कंपनी की रिपोर्ट के मुतो बिक इस साल जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान आठ प्रमुख शहरों में 60 लाख रुपये तक कीमत वाले सस्ते घरों की नई आपूर्ति 38 प्रतिशत घटकर 33,420 इकाई रह गई है। इसकी वजह यह बताई गई है कि बिल्डर लक्जरी फ्लैट बनाने पर ध्यान दे रहे हैं। रियल एस्टेट के आंकड़ों का विश्लेषण करने वाली कंपनी की` रिपोर्ट में बताया गया है कि सस्ते घरों की आपूर्ति घटने की वजह जमीन और निर्माण की लागत बढ़ना है। इससे सस्ते घरों का निर्माण बहुत लाभ का सौदा नहीं रह गया है। आंकड़ों के अनुसार देश के शीर्ष आठ शहरों में जनवरी-मार्च, 2024 के दौरान 60 लाख रुपये तक कीमत के घरों की नई आपूर्ति 33,420 इकाई रही, जो एक साल पहले की समान अवधि में 53,818 इकाई थी। ये आठ शहर हैं- दिल्ली-एनसीआर, मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई, कोलकाता, पुणे और अहमदाबाद। आंकड़ों से पता चलता है कि 2023 के वित्त वर्ष के दौरान इस मूल्य श्रेणी में नई आपूर्ति में 20 प्रतिशत की गिरावट आई और गिरावट का रुझान इस साल की पहली तिमाही में भी जारी रहा। रिपोर्ट के अनुसार देश के शीर्ष आठ शहरों में पेश की गई सस्ती आवासीय इकाइयों की संख्या में उल्लेखनीय गिरावट आ रही है। 2023 में 60 लाख रुपये से कम कीमत के सिर्फ 1,79,103 घर पेश किए गए। यह 2022 के आंकड़े 2,24,141 इकाई से 20 प्रतिशत कम है। कंपनी के एक अे धिकारी ने कहा कि यह प्रवृत्ति 2024 में भी जारी रहने की उम्मीद है। इस गिरावट के कई कारण हैं। रियल एस्टेट की बढ़ती कीमतें और बढ़ती निर्माण लागत की वजह से सस्ती आवासीय परियोजनाएं रियल एस्टेट कंपनियों के लिए बहुत लाभ का सौदा नहीं रह गई हैं।

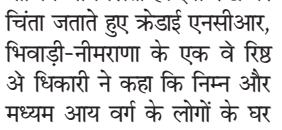

उन्होंने कहा कि इसके अलावा महामारी के बाद अब लोग बड़े घर चाहते हैं। इन पर उन्हें ऊंचा मार्जिन भी मिलता है। इस रुख पर चिंता जताते हुए क्रेडाई एनसीआर, भिवाड़ी-नीमराणा के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि निम्न और मध्यम आय वर्ग के लोगों के घर के सपने को पूरा करने के लिए सस्ते घरों के निर्माण को प्राथमिकता देने की जरूरत है।

## इनकम टैक्स से मिला नोटिस कहीं फेक तो नहीं, तुरंत जांच करें

### जब भी कोई नोटिस मिले तब जरूरी है कि नोटिस की सत्यता की जांच कर लें

**नई दिल्ली ।** आजकल इनकम टैक्े स नोटिस को लेकर खूब फर्जीवाड़ा हो रहा है। स्क्रूटिनी सर्वे टैक्स डिमांड से जैसे नाम पर नोटिस भेज कर लोगों के साथ ठगी की जा रही है और लाखों रुपये ऐंठा जा रहा है। कुछ लोगों के पास ऐसे मेल आए जिसमें ये दावा किया गया था कि इनकम टैक्स डिपॉर्टमेंट ने उन्हें एक नोटिस भेजा है, जिसमें उन्हें अपने टैक्स का भुगतान जल्द से जल्द करने के लिए कहा गया था, वरना उन्हें जुर्माना भरना पड़ेगा और इसके साथ में एक पेमेंट लिंक भी शेयर किया गया था, ताकि लोग घबराकर जल्द से जल्द स्कैमर्स को पैसे भेज दें। इस कारण अब आपको यह जान लेना चाहिए कि इनकम टैक्े स का नोटिस जो आपके पास आया है, क्या उसे वाकई आयकर विभाग ने भेजा है या कोई साइबर फ्रॉड का हिस्सा है? इसके लिए जरूरी है कि नोटिस की सत्यता की जांच कर लें। इनकम टैक्स डिपॉर्टमेंट ने भी इस संदर्भ में गाइडलाइन जारी किया है। साथ ही लोगों को भी आगाह रहने की जरूरत है। जब भी उन्हें कोई भी नोटिस मिले तब उसे पूरे ध्यान जांच करनी चाहिए। डीआईएन नंबर जितने कंप्यूटर जेनरेटेड दस्तावेज होते हैं, उन पर एक विशिष्ट संख्या होती है जिसे डीआईएन नंबर कहते हैं। यह 1 अक्टूबर 2019 से लागू है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने 14 अगस्त 2019 को एक सर्कुलर जारी किया था, जिसका उद्देश्य आयकर विभाग के दस्तावेज में ट्रांसपेरेंसी लाना था। यह नंबर इनकम टैक्े स के पोर्टल पर भी नजर आएगा। आप पोर्टल पर भी भेजे गए नोटिस की जांच कर सकते हैं। वहीं आपको एट द रेटइनकमटैक्सडाटजीओवीडॉटइन डॉमेन भी देखना चाहिए। कुछ मामलों में इनकम टैक्े स डिपॉर्टमेंट के अधिकारी सेक्े शन 131 और 133 के तहत नोटिस जारी करते हैं। आईटी डिपॉर्टमेंट की ओर से भेजे गए टैक्े स नोटिस में किसी भी तरह का पेमेंट लिंक नहीं दिया जाता है और आईटी डिपॉर्टमेंट के डोमेन से सेंड किया जाता है। पोर्टल पर फेक नोटिस की जांच करने के लिए सबसे पहले इनकम टैक्े स डिपॉर्टमेंट के ई फाइलिंग पोर्टल पर जाएं और अथेंटिफिकेशन नोटिस/ऑर्डर इश्े यू बाई आईटीडी बटन पर टैब करें। नए विंडो पर आपको डीआईएन या पैन नंबर एंटर करना होगा।

## जनवरी-मार्च तिमाही में 6.1-6.7 फीसदी रहेगी आर्थिक वृद्धि दरः अर्थशास्त्री

**नई दिल्ली ।**

बीते वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी जनवरी-मार्च तिमाही में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.1 से 6.7 प्रतिशत के बीच रहने की उम्मीद है। यह इससे पिछली तिमाहियों में दर्ज आठ प्रतिशत की वृद्धि दर से कम है। विभिन्न अर्थशास्त्रियों ने यह अनुमान लगाया है। सरकार चौथी तिमाही के जीडीपी आंकड़े और पूरे वित्त वर्ष के लिए अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर का अनुमान 31 मई को जारी करेगी। अर्थशास्त्रियों के मुताबिक वित्त वर्ष 2023-24 में वृद्धि दर 7.6-7.8 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है। भारतीय अर्थव्यवस्था 2023-24 की जून तिमाही में 8.2 प्रतिशत, सितंबर तिमाही में 8.1 प्रतिशत और दिसंबर तिमाही में 8.4 प्रतिशत की दर से बढ़ी है ।कोटक महिंद्रा एक अर्थशास्त्री ने कहा कि मुख्य आंकड़े व्यापक रूप से मजबूत वृद्धि का संकेत देते हैं। उन्होंने कहा` कि विनिर्माण गतिविधियां भी अच्छी रही हैं, और निर्माण से जुड़े और निवेश क्षेत्रों का प्रदर्शन भी बेहतर रहना चाहिए। हालांकि, कृषि क्षेत्र की वृद्धि धीमी पड़ सकती है। हमारा अनुमान है कि चौथी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 6.1 प्रतिशत रहेगी और पूरे वित्त वर्ष के लिए यह आंकड़ा 7.6 प्रतिशत के करीब रहेगा। 31 मई, 2023 को जारी अनुमान के अनुसार वित्त वर्ष 2022-23 की मार्च तिमाही में भारत की जीडीपी दर 6.1 प्रतिशत रही थी। पूरे वित्त वर्ष 2022-23 के लिए यह आंकड़ा सात प्रतिशत था। हालांकि, चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में निर्यात वृद्धि प्रभावित हो सकती है। फिलहाल, निर्यात काफी अच्छा बना हुआ है। हमने निर्यात पर मांग में किसी भी वैश्विक व्यवधान का बहुत अधिक प्रभाव देखने को नहीं मिला है। हालांकि, आगे चलकर इसका कुछ प्रभाव दिखने की उम्मीद है। यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां वृद्धि को झटका लगने की आशंका है।

## बीते सप्ताह सभी तेल-तिलहन के भाव मजबूती पर बंद हुए

### - सोयाबीन डीगम तेल का दाम बढ़कर 1,035-1,040 डॉलर प्रति टन हुआ

**नई दिल्ली ।**

खाद्य तेल सोयाबीन डीगम के दाम में मजबूती के बाद बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में सभी खाद्य तेल-तिलहन के दाम मजबूत बंद हुए। डीगम तेल में आई इस तेजी के कारण सरसों, मूंगफली, सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल के दाम भी मजबूत बंद हुए। बाजार के जानकार कहते हैं कि देश में सॉफ्ट ऑयल के रूप से सबसे अधिक आयात सोयाबीन डीगम का किया जाता है। बीते सप्ताह इससे पिछले सप्ताहांत के मुकाबले सोयाबीन डीगम तेल का दाम पहले के 990-995 डॉलर प्रति टन से बढ़कर समीक्षाधीन सप्ताह में 1,035-1,040 डॉलर प्रति टन हो गया। इसका असर सभी तेल-तिलहनों पर दिखा और उनके दाम मजबूत हो गये। सूत्रों ने कहा कि बीते सप्ताह सरसों तेल-तिलहन के दाम मजबूती के साथ बंद हुए। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 125 रुपये के सुधार के साथ 6,000-6,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का भाव 600 रुपये बढ़कर 11,600 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 80-80 रुपये की तेजी के साथ क्रमशः 1,880-1,980 रुपये और 1,880-1,995 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और लूज का भाव भी क्रमशः 10-10 रुपये की तेजी के साथ क्रमशः 4,850-4,870 रुपये प्रति क्विंटल और 4,650-4,770 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी तरह सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम तेल का भाव क्रमशः 175 रुपये, 175 रुपये और 300 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 10,275 रुपये और 10,125 रुपये और 8,750 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

# टी20 विश्व कप : रोहित के नेतृत्व में टीम इंडिया का पहला दस्ता अमेरिका रवाना

**मुंबई (एजेंसी)।** रोहित शर्मा के नेतृत्व में भारतीय टीम का पहला दस्ता आईसीसी टी20 विश्व कप शुरू के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका रवाना हो गया है। इस दल में रोहित के अलावा तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव भी शामिल हैं। इसे अलावा इस दल में कप्तान में मुख्य कोच राहुल द्रविड़, बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़, बल्लेबाज शुभमन गिल, ऑलराउंडर रवींद्र जड़ेजा और शिवम दुबे व तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, खलील अहमद, स्पिनर कुलदीप यादव और अक्षर पटेल भी शामिल थे। इन सभी खिलाड़ियों ने मुंबई एयरपोर्ट पर फोटो सेशन भी कराया। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने सोशल मीडिया पर फोटो सेशन की एक तस्वीर भी साझा की है।

इस पहले जत्थे में अनुभवी बल्लेबाजी विराट कोहली, यशस्वी जयसवाल, संजू सैमसन, युजवेंद्र चहल जैसे खिलाड़ी शामिल नहीं थे। यशस्वी , सैमसन और चहल आईपीएल फाइनल के कारण नहीं जा पाये जबकि विराट के दस्तावेज का काम पूरा नहीं हुआ था। भारतीय टीम

अपने टी20 विश्व कप अभियान की शुरुआत 5 जून को आयरलैंड के खिलाफ मुकाबले से करेगी। इस टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान का मुकाबला 9 जून को होगा।

## विश्व कप क्वालीफिकेशन के लिए भारत-कुवैत का मैच 6 जून को

### -भारतीय फुटबाल टीम के कप्तान सुनील छेत्री खेलेंगे करियर का विदाई मैच

**भुवनेश्वर (एजेंसी)।** भारतीय फुटबॉल टीम के कोच इगोर स्टिमक को उम्मीद है कि पूरे देश से दर्शक छह जून को कुवैत के खिलाफ विश्व कप क्वालीफिकेशन मैच देखने कोलकाता के सॉल्ट लेक स्टेडियम में उमड़ेंगे जो करिश्माई भारतीय टीम के कप्तान सुनील छेत्री के करियर का विदाई मैच होगा। कुवैत के खिलाफ इस मैच से छेत्री के 19 साल के करियर का समापन होगा, जिसके दौरान वह 94 गोल कर भारत के शीर्ष गोल स्कोरर बने हैं। इस विदाई मैच के बाद 151 मैच खेलने वाले वह भारत के पहले खिलाड़ी हो जाएंगे। कुवैत से भारत जीतता है तो वह इतिहास में पहली बार विश्व कप क्वालीफायर के तीसरे दौर में पहुंचने के लिए मजबूत स्थिति में होगा।

उन्होंने कहा इस मैच को देखते हुए जिसमें हम पहली बार तीसरे दौर के लिए क्वालीफाई करने से महज एक जीत दूर हैं और यह सुनील छेत्री का विदाई मैच भी है तो हम उम्मीद करते हैं कि फुटबाल प्रेमियों से स्टेडियम खचाखच भरा होगा और दर्शक हमारे खिलाड़ियों को मैच जीतने में मदद करेंगे और सुनील को शुक्रिया और अलविदा कहेंगे। मुझे पूरा भरोसा है कि यह काफी भावनात्मक पल होगा और उम्मीद हैं कि हम मैच खत्म हाने के बाद एकसाथ जश्न मनाने का तरीका ढूंढ लेंगे।

उन्होंने कहा कि टीम करीब दो हफ्तों से ट्रेनिंग ले रही हैं और 29 मई को कोलकाता पहुंचेगी। खिलाड़ी अच्छा कर रहे हैं। यह कई बार साबित हो चुका है कि लंबा शिविर हमेशा हमारे लिए मददगार साबित हुआ है। हम खेल के कई पहलुओं पर काम कर रहे हैं जिसमें रक्षात्मक और आक्रामक पहलू भी शामिल है।

## मुझे आपकी याद आती है, बाबा- पिता की 25वीं पुण्यतिथि पर भावुक हुए सचिन तेंदुलकर

**मुंबई (महाराष्ट्र) (एजेंसी)।** महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने रविवार को अपने पिता रमेश तेंदुलकर की 25वीं पुण्य तिथि पर एक भावुक नोट लिखकर उन्हें याद किया है। तेंदुलकर ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर कहा कि ऐसा लगता है कि उनके पिता उनके साथ हैं। 51 वर्षीय ने उस समय को भी याद किया जब वह 26 वर्ष के थे जब उनके पिता की मृत्यु हो गई थी। तेंदुलकर को भी उम्मीद है कि वह अपने पिता के मूल्यों पर खरा उतर रहे हैं।

तेंदुलकर ने एक्स पर लिखा- बाबा को हमें छोड़े हुए 25 साल हो गए हैं, लेकिन आज अपनी पुरानी कुर्सी पर खड़े होकर ऐसा लगता है जैसे वह अभी भी यहीं हैं। मैं उस समय केवल 26 साल का था। अब 51 साल की उम्र में मैं और भी स्पष्ट रूप से देखता हूं कि उनका मेरे जीवन और कई अन्य लोगों के जीवन पर कितना प्रभाव था। 43 वर्षों के बाद उनकी 25वीं पुण्य तिथि पर इस स्थान पर आना अविश्वसनीय रूप से भावनात्मक था। उनकी बुद्धिमत्ता और दयालुता मुझे हर दिन प्रेरित करती रहती है। बाबा मुझे आशा है कि आपने मुझमें जो मूल्य पैदा किए हैं मैं इस पर खरा उतरूंगा।

## वेस्टइंडीज ने दक्षिण अफ्रीका को दूसरे टी20 में हराया, रॉस्टन, ब्रैंडन और गुडाकेश चमके

**किंगस्टन (एजेंसी)।** रॉस्टन चेज नाबाद (67) और कप्तान ब्रैंडन किंग (36) की शानदार बल्लेबाजी और उसके बाद गुडाकेश मोती की 22 रन पर तीन विकेट की घातक गेदबाजी के दम पर वेस्टइंडीज ने दूसरे टी-20 में मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 16 रन से हरा दिया है। इसी के साथ वेस्टइंडीज तीन मैचों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली है।

शनिवार देर रात सबाइना पार्क में 208 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका ने शानदार तूफानी शुरुआत करते हुए पहले विकेट लिए 81 रन जोड़े। पांचवें ओवर में अकील हुसैन ने क्विंटन डिकॉक को बोल्ड कर वेस्टइंडीज को पहली सफलता दिलाई। क्विंटन डिकॉक ने 17 गेंदों में चार चौके और चार छक्कों की मदद से 41 रन बनाये। अगले ही ओवर में रॉस्टन चेज ने रीजा हेंड्रिक्स को बोल्ड कर वेस्टइंडीज की झोली में दूसरा विकेट झटकते हुए

दक्षिण अफ्रीका की रनों की रफ्तार को लगाम लगा दी। रीजा हेंड्रिक्स ने 18 गेंदों में दो चौके और तीन छक्के लगाते हुए 34 रन बनाये। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका का कोई भी बल्लेबाज वेस्टइंडीज के गेंदबाजों के आगे नहीं टिक सका। रायन रिकलटन (17) और मैथ्यू ब्रीत्जके (12) एंडिले फेहुक्रायो (3), वियान मुल्डर (9) और कप्तान रासी वान दर दुसें (30) रन बनाकर आउट हुए। ब्योर्न फार्टन (9) और एन पीटर (10) रन बनाकर नाबाद रहे। दक्षिण अफ्रीका की टीम निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 191 रन ही बना सकी और 16 रन से मुकाबला हार गई। वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने चौथे ओवर में जॉनसन चार्ल्स (7) का विकेट गवां दिया। इसके बाद कप्तान ब्रैंडन किंग और काइल मेयर्स ने पारी को संभाला। सातवें ओवर में पीटर ने ब्रैंडन किंग को आउट कर वेस्टइंडीज को दूसरा झटका दिया। उन्होंने 22 गेदों में 36 रन बनाए। काइल मेयर्स 16 गेंदों में (32), आंद्रे फ्लेचर 18 गेंदों में (29), रोमारियो शेफर्ड 13गेंदों में (26) रन बनाकर आउट हुये। फेबियन ऐलेन और अकील हुसैन अपना खाता भी नहीं खोल सके। रॉस्टन चेज ने 38 गेंदों में सात चौके और दो छक्के लगाते हुए नाबाद (67) रनों की पारी खेली। वेस्टइंडीज ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 207 रनों का स्कोर खड़ा किया। दक्षिण अफ्रीका की ओर से लुंगिसानी एनगिडी, एन पीटर और एंडिले फेहुक्रायो ने दो-दो विकेट लिये। ब्योर्न फोर्टन ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

## नीरज चोपड़ा चोटिल, ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक में नहीं खेलेंगे

नई दिल्ली। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भालाफेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा दो सप्ताह पहले अभ्यास के दौरान मांसपेशी में लगी चोट के कारण चेक गणराज्य में 28 मई को होने वाली ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक 2024 एथलेटिक्स मीट में भाग नहीं ले सकेंगे। चोपड़ा ने इस सत्र में दो स्पर्धाओं दोहा डायमंड लीग और फेडरेशन कप में भाग लिया है। वह अतिथि के तौर पर इस टूर्नामेंट में पहुंचेंगे। आयोजकों ने एक बयान में कहा, 'चोपड़ा को दो सप्ताह पहले अभ्यास के दौरान मांसपेशी में चोट लगी थी जिसकी वजह से वह ओस्ट्रावा में नहीं खेल सकेंगे लेकिन अतिथि के तौर पर यहां आएंगे।' मौजूदा ओलंपिक और विश्व चैम्पियन चोपड़ा ने दोहा डायमंड लीग में रजत पदक जीता और भुवनेश्वर में फेडरेशन कप में स्वर्ण पदक हासिल किया था। आयोजकों ने कहा कि उन्हें चोपड़ा का मैसेज मिला था जिसमें उन्होंने स्पर्धा से नाम वापस लेने की जानकारी दी। चोपड़ा की जगह जर्मनी के जूलियन वेबर इसमें खेलेंगे।

## मुझे बना दो भारतीय क्रिकेट टीम का कोच : माइकल वॉन

नई दिल्ली। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने खुद सोशल मीडिया पर भारतीय टीम का कोच बनने की इच्छा जाहिर की है। इससे पहले बीसीसीआई ने टीम इंडिया के पूर्व ओपनर गौतम गंभीर सें संपर्क किया है। गंभीर इस समय केकेआर टीम को कोचिंग दे रहे हैं। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि आईपीएल फाइनल के बाद गंभीर इसपर फैसला ले सकते हैं। सोशल मीडिया एक्स पर कोच राहुल द्रविड़, मुख्य सेलेक्टर अजीत अगरकर और कप्तान रोहित शर्मा एक फोटो अपलोड करते हुए लिखा, 'आप इंडिया का अगला कोच किसे बनते हुए देखना चाहते हैं? इसपर माइकल वॉन ने इस पोस्ट को रिट्वीट करते हुए एक इंसते हुए इमोजी के साथ लिखा, ' मी मतलब मैं।' इसके बाद सोशल मीडिया पर कॉमेंट की बाढ़ सी आ गई।माइकल वॉन के इस ट्वीट पर एक यूजर ने लिखा, ' क्यों नहीं। एक क्लासी क्रिकेटर और शानदार कप्तान को लाओ। रिकॉर्ड बोलते हैं। 2005 की एशेज सीरीज अभी तक जेहन में है।' दूसरे यूजर ने लिखा- 'सेल्फ कॉन्फिडेंस।' पाकिस्तानी जर्नलिस्ट ने माइकल वॉन को ट्रोल कर दिया। पाक पत्रकार फरीद खान ने लिखा, ' माइकल, उन्हें एक ऐसा कोच चाहिए जो कम से कम वनडे में एक शतक जड़ा हो।' बीसीसीआई ने कोच के लिए जो आवेदन जारी किए हैं उसमें सैलरी के बारे में नहीं बताया गया है। लेकिन वर्तमान में राहुल द्रविड़ को बीसीसीआई सैलरी के तौर पर सालाना लगभग 10 करोड़ रुपये दे रही है। इसका मतलब ये हुआ कि हर महीने द्रविड़ की सैलरी 8.34 लाख के आसपास है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीसीसीआई इससे पहले रवि शास्त्री को सालाना साढ़े नौ करोड़ सैलरी देती थी। मालूम हो कि भारतीय क्रिकेट टीम का अगला हेड कोच कौन होगा, इसपर अगले कुछ दिन में फैसला हो जाएगा।

## पीवी सिंधू को मलेशिया मास्टर्स के फाइनल में वांग ने हराया

**कुआलालंपुर (एजेंसी)।** भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू का पिछले दो साल से चला आ रहा खिताब का इंतजार और लंबा हो गया क्योंकि उन्हें मलेशिया मास्टर्स के फाइनल में रविवार को यहां विश्व रैंकिंग में सातवें स्थान पर काबिज चीन की वांग झी यी से हार का सामना करना पड़ा। ओलंपिक में दो बार की पदक विजेता सिंधू तीन गेम तक चले 79 मिनट के मुकाबले के निर्णायक गेम में 11-3 की बड़ी बढ़त बनाने के बावजूद 21-16 5-21 16-21 से हार गई। विश्व रैंकिंग में 15 वें स्थान पर काबिज सिंधू इससे पहले 2022 सिंगापुर ओपन खिताब अपने नाम करने में सफल रही थी और पिछले साल मैड्रिड स्पेन मास्टर्स में उपविजेता रही थी। सिंधू अगर चैम्पियन बनती तो सोने पर सुहागा होता लेकिन फाइनल तक के सफर में इस प्रभावशाली प्रदर्शन से पेरिस ओलंपिक से पहले उनका आत्मविश्वास काफी बढ़ेगा। यह एक वर्ष से अधिक समय में किसी बीडब्ल्यूएफ टूर पर उनका पहला फाइनल था। सिंधू मैच के अधिकांश मौजूदा एशियाई चैंपियन वांग के खिलाफ दबदबा बनाने में सफल रही लेकिन निर्णायक गेम में ब्रेक के बाद उन्होंने लय गंवा दी और वांग ने शानदार वापसी कर जीत दर्ज की। दिलचस्प बात यह है कि सिंधू ने अपना पिछला फाइनल सिंगापुर ओपन में वांग के खिलाफ ही जीता था। वह हालांकि पिछले साल आर्कटिक ओपन में वांग से हार गई थीं, लेकिन उन्होंने इससे पहले तीन

मुकाबलों में चीन की खिलाड़ी को दो बार हराया था। सिंधू ने पिछले काफी समय से कैरोलिना मारिन, ताई त्जु यिंग, चेन यू फेई और अकाने यामागुची जैसी बड़ी खिलाड़ियों को हराने में विफल रही है और पेरिस ओलंपिक में उन्हें इन खिलाड़ियों के कड़ी चुनौती मिल सकती है। फाइनल में पहुंचने के कारण सिंधू का आत्मविश्वास जरूर बढ़ेगा। सिंधू अब मंगलवार से शुरू होने वाले सिंगापुर ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में चुनौती पेश करेंगी।

## दमखम और कौशल पर काम कर रही है मुक्केबाज नीतू, लॉस एंजिलिस ओलंपिक पर नजरें

नई दिल्ली ः झटकों से विचलित हुए बिना भारतीय मुक्केबाज नीतू गंघास अपने दमखम और कौशल पर मेहनत करते हुए इस साल विश्व चैम्पियनशिप और 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक की तैयारी कर रही हैं। नीतू ने 48 किलो वर्ग में शानदार प्रदर्शन किया है लेकिन यह श्रेणी ओलंपिक में शामिल नहीं है। उसने 2022 राष्ट्रमंडल खेल और 2023 विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। निकहत जरीन ने 50 किलो वर्ग में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है जिससे नीतू को 54 किलो में जाना पड़ा। वह हालांकि नये वर्ग में एशियाई खेलों (पहले ओलंपिक क्वालीफायर) की टीम में जगह नहीं बना सकी चूंकि प्रीति पंवार का स्कोर बेहतर था। प्रीति ने एशियाई खेलों से ही पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल किया। नीतू ने भारतीय खेल प्राधिकरण के 'फिट इंडिया चैम्पियंस' पॉडकास्ट में कहा, 'मैं कदम दर कदम रणनीति बनाऊंगी और 54 किलो वर्ग में मजबूत होने की कोशिश करूंगी।' उन्होंने कहा, 'मेरा लक्ष्य कजाखस्तान में अक्टूबर में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप और लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 भी है। बचपन से मैं हमेशा जीतना चाहती रही हूं। मैने कई विषमताओं और निराशाओं से निकलकर यहां तक का सफर तय किया है और अब आगे की ओर देख रही हूं।' भारत की निकहत जरीन (50 किलो), प्रीति (54 किलो) और लवलीना बोरगोहेन (75 किलो) पेरिस ओलंपिक के लिये क्वालीफाई कर चुकी है। नीतू ने कहा, 'मुझे लगता है कि ये तीनों ही पदक जीत सकती हैं। ये सभी जुझारू हैं और इनके पास अपार अनुभव है।'

## टी20 विश्व कप की स्पेशल टीम में शामिल हुए कार्तिक बोले-उत्साहित हूं

### -कॉमेंटेटर्स की सूची जारी, स्टीव स्मिथ, एरोन फिंच को भी मिला मौका

**नई दिल्ली(एजेंसी)।** आईसीसी टी20 वर्ल्डकप 2024 का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। टी20 वर्ल्डकप का शुभारंभ अमेरिका और कनाडा के मैच से होगा। भारतीय टीम अपना पहला मैच 5 जून को आयरलैंड के साथ खेलेगी। इस विश्व कप से पहले आईसीसी ने टी20 विश्व कप के लिए कॉमेंटेटर्स की लिस्ट जारी कर दी है। आईसीसी ने इस लिस्ट में दिनेश कार्तिक, स्टीव स्मिथ, एरोन फिंच जैसे प्लेयर्स को मौका दिया है।

सूची जारी होने के बाद दिनेश कार्तिक ने कहा कि यह टूर्नामेंट कई मामलों में अलग है। यह सभी को उत्साहित करता है। 20 टीमें 55 मैच और नई जगह। सच में यह

कमाल का होने वाला है। दिनेश ने कहा कि वह इसमें शामिल होने के लिए उत्साहित हैं। एरोन फिंच ने इसपर कहा कि यह एक स्पेशल इवेंट है। 20 टीमों के बीच यह कमाल का होने वाला है। कई शानदान मैच देखने को मिलेंगे। मैं आज भी गर्व महसूस करता हूं जब मैंने 2021 में टीम को चैंपियन बनाया था।

वहीं डेल स्टेन ने कहा कि टी20 विश्व कप, अपने नए प्रारूप और टीमों की प्रतिस्पर्धा के साथ, खेल को फैलाने का एक शानदार मौका है। उन्हें यकीन है कि पुराने और नए दोनों क्रिकेट फैंस इसकी शुरुआत के लिए उत्साहित होंगे। मैं हर टीम पर करीब से नजर रखूंगा और इसमें आने वाली अलग-अलग रणनीति को देखना दिलचस्प होगा। विश्व कप के लिए कॉमेंटेटर्स की सूची में रवि शास्त्री, नासिर हुसैन, इयान स्मिथ, मेल जोन्स, हर्षा भोगले और इयान बिशप, डेल स्टेन, वसीम अकरम, ग्रीम स्मिथ, माइकल एथरटन, वकार यूनिस, साइमन डोल, शॉन पोलक, रिकी पोंटिंग, सुनील गावस्कर, मैथ्यू हेडन, रमिज़ राजा, इयोन मोर्गन, टॉम मूडी, स्टीव स्मिथ, डेल स्टेन, एरोन फिंच और दिनेश कार्तिक शामिल हैं।

# भारत ने पहली बार 2007 में जीता था टी20 वर्ल्ड कप

### -प्रशंसकों को रोहित ब्रिगेड से है इतिहास दोहराने की उम्मीद

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत ने पहली और आखिरी बार 2007 में टी20 वर्ल्ड कप जीता था। इसके बाद से 7 टी20 वर्ल्ड कप खेले गए, लेकिन खिताब भारत से दूर ही रहा। भारतीय टीम जब रोहित शर्मा की अगुआई में आगामी टी20 विश्व कप के लिए अमेरिका और वेस्टइंडीज जाएगी तो उसकी नजरें दूसरे खिताब के लंबे इंतजार को खत्म करने पर टिकी होंगी।

टी20 वर्ल्ड कप पहली बार 2007 में खेला गया, जब भारत एमएस धोनी की कप्तानी में चैंपियन बना। भारत इसके बाद सिर्फ एक बार 2014 में टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंच पाया। तब उसे श्रीलंका के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। खिताब का यह सूखा अन्य फॉर्मेट में भी दिखता है। भारत ने आखिरी बार आईसीसी ट्रॉफी 2013 में जीती थी। तब उसने चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। भारत ने वनडे वर्ल्ड कप में पिछला खिताब 2011 में जीता था। भारतीय टीम इसके बाद एक बार वनडे वर्ल्ड कप और दो बार वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल भी हार चुकी है। एक अरब 40 करोड़ की जनसंख्या वाले क्रिकेट के दीवाने देश के क्रिकेट फैंस के लिए वर्ल्ड कप 2023 की हार पचा पाना आसान नहीं था क्योंकि टीम इंडिया अपने सभी 10 मैच जीतकर फाइनल में पहुंची थी। भारतीय टीम अब 5 जून से रोहित शर्मा की अगुवाई में टी20 वर्ल्ड कप में अपने अभियान का आगाज करेगी। यह रोहित और विराट कोहली का आखिरी टी20 वर्ल्ड कप भी हो सकता है। रोहित अब तक सभी टी20 विश्व कप में भारतीय टीम का हिस्सा रहे हैं जबकि 2012 में इस टूर्नामेंट में पदार्पण करने वाले कोहली छठी बार इसमें शिरकत करेंगे। विराट कोहली ने टूर्नामेंट में 27 मैच में 131.30 के स्ट्राइक रेट और 81.50 के औसत से 1141 रन बनाए हैं। रोहित के नाम 39 मैच में 127.88 के स्ट्राइक रेट से 963 रन दर्ज हैं। रोहित और कोहली ने 2022 टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार के बाद से भारत के लिए कोई टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। बता दें कि इंडियन प्रीमियर लीग टी20 क्रिकेट की सबसे पॉपुलर और सबसे अधिक देखी जाने वाली लीग है। इसके बावजूद भारतीय टीम अंतरराष्ट्रीय स्तर वैसी कामयाबी हासिल नहीं कर पाई है, जैसी उम्मीद की जाती है।

## भारत की दिव्या देशमुख नें जीता शारजाह चैलेंजर शतरंज का खिताब

शारजाह । सातवें शारजाह मास्टर्स शतरंज के चैलेंजर वर्ग का खिताब भारत की 19 वर्षीय महिला शतरंज खिलाड़ी और इंटरनेशनल मास्टर दिव्या देशमुख नें अपने नाम कर लिया है । दिव्या नें पूरे टूर्नामेंट में अपराजित रहते हुए 5 जीत और 4 ड्रॉ के साथ 7 अंक बनाकर खिताब अपने नाम किया , हालांकि अंतिम राउंड के बाद रूस की लेया गारीफुलिना और ईरान के सिना मोवहेद भी 7 अंको पर थे पर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर वह क्रमश : दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे । अंतिम राउंड में दिव्या सफ़ेद मोहरो से गारीफुलिना के खिलाफ केटलन ओपनिंग में एक समय बेहतर स्थिति में थी पर अंतिम समय में वह 50 चालों में खेल को ड्रॉ ही कर पायी । वहीं अन्य भारतीय खिलाड़ियों में आराध्य गर्ग नें अंतिम राउंड में उज्बेकिस्तान के सुयारोव एम को पराजित करते हुए 6.5 अंक बनाकर छठा स्थान हासिल किया जबकि हर्ष सुरेश नें यूएई के अमार सेदरानी को मात देते हुए 6.5 अंको पर ही टाईब्रेक के आधार पर सातवाँ स्थान हासिल किया । वही मास्टर वर्ग का खिताब ईरान के दानेश्वर बर्दिया नें 6.5 अंक बनाकर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर अपने नाम कर लिया , इतने ही अंक बनाकर टाईब्रेक के आधार पर रूस के मुरजिन बोलोदर , यूएसए के सैम शंकलंद और उज्बेक्सितान के वोखिदोव शमसिद्दीन क्रमश : दूसरे से चौथे स्थान पर रहे ।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दुनिया में रिश्ते के बिना प्यार का अहसास ही नहीं हो सकता। रिश्ता चाहे कोई भी हो खास होता है। इसे निभाने के लिए शुरुआत भी अलग तरीके की होना चाहिए।फिर चाहे वो दोस्ती हो या फिर रिश्तेदारी।

## अगर रखेंगे इन बातों का ख्याल
# रिश्ता हो जाएगा मजबूत

खुशियों का अहसास अपनो से ही होता है। इसे हमेशा के लिए गहरा करने के लिए कुछ खास बातों की तरफ ध्यान देना बहुत जरूरी है ताकि आने वाला हर पल हसीन रहे। अगर किसी कारण रिश्तों में गलतफहमियां आ भी जाए तो एक दूसरे पर यकीन इतना गहरा हो कि कोई दूसरा आपमें अपनी जगह बना न सके। लेकिन इसके लिए कुछ बातों का खास ख्याल रखना भी बहुत जरूरी है ताकि प्यार से संजो कर रखा गया यह रिश्ता जिंदगी की जरूरत बन जाए।

### एक दूसरे को जानना जरूरी
आप किसी से प्यार करते हैं तो इसके लिए एक बात को जान लेना बहुत जरूरी है आपको उसकी आदतों के बारे में जानना होगा। इससे आप खुद को और अपने बढ़ते रिलेशनशिप को कुछ समय दे पाएंगे। जो भविष्य में आपके लिए परेशानी नहीं बनेगा।

### रिलेशनशिप से बनें पहचान
दोस्ती को आगे बढ़ाने के लिए कुछ बातों को समझना बहुत जरूरी है। जैसे दोस्ती इस तरह की हो जो आपकी पहचान बनें। इस बात का ध्यान रखें कि कहीं ऐसा तो नहीं कि आप दोस्ती में खोते जा रहे हैं। यह बदलाव आपके लिए खतरनाक हो सकता है।

### कभी शक भी जायज
जहां यकीन है वहां शक होना भी कभी कभी जायज होता है। पार्टनर पर जरूरत से भी ज्यादा यकीन कर लेने से भी कई बार रिश्ता खराब होने का डर रहता है। थोड़ा बहुत शक करना या फिर पजेसिव होने से पार्टनर को भी पता चलता है कि आप उनके लिए कितने जरूरी हैं।

### एक-दूसरे को दें वक्त
एक-दूसरे के साथ समय बिता कर उसके बारे में बहुत कुछ जानने को मिलता है। कई बार ज्यादा देर तक बनाई गई दूरी भी रिश्ते में खट्टास पैदा कर सकती है। ऐसे में समय की कमी के कारण अगर पार्टनर के साथ नराजगी है तो एक-दूसरे को समय जरूर दें। कहीं न कहीं आपके रिश्ते में मजबूती आनी शुरू हो जाएगी। कोशिश करें एक- दूसरे के साथ समय बिताएं।

# शीशों से नहीं छूट रहे दाग- धब्बे
# तो अपनाएं ये तरीके

**घर में लगे कांच का गंदा होना और उन पर दाग- धब्बे पड़ना आम समस्या है। इनको साफ करना बहुत ही मुश्किल होता है। कई बार दाग इनते जिद्दी होते हैं कि सर्फ, शैंपू से साफ करने भी इन पर कोई असर नहीं होता। इन चीजों से कांच साफ करने पर यह धुंधला और गंदा हो जाता है। जो देखने में बहुत ही अजीब सा लगता है। ऐसे में खिड़की, दरवाजों, ड्रैसिंग टेबल और बाथरूम के शिशे की चमक लौटाने के लिए घर में पड़ी कुछ चीजों का उपयोग कर सकते हैं। आज हम आपको मिरर क्लीनिंग प्रॉडेक्टड और इनके सही इस्तेमाल से कांच साफ करने का तरीका बताएंगे। इससे एक बार फिर से चमक उठेंगे।**

### बेकिंग सोडा
बेकिंग सोडे का इस्तेमाल खाना बनाने के अलावा शीशे को साफ करने में भी किया जाता है। कांच को साफ करने के लिए बेकिंग सोडे को पानी में मिलाकर स्पोंज या किसी मुलायम कपड़े की सहायता से साफ करें। ऐसा करने से इसके दाग- धब्बे साफ हो जाएगे और कांच चमक उठेगा।

### सिरका
कांच को अच्छे से साफ करने के लिए सिरके का उपयोग करें। शिशे की गंदगी साफ करने के लिए सिरके को एक स्प्रे की बोतल में डाल लें। आवश्यकता पड़ने पर कांच पर इससे स्प्रे करें और साफ कपड़े से साफ करें।

### अखबार

कांच को साफ करने के लिए अखबार के टुकड़े की बॉल बनाकर पानी में डालकर निकाल लें। अब इसको हल्के हाथों से शीशे पर घुमाएं। आप चाहे तो इसमे विनेगर भी डाल सकते है। इन दोनों को मिलाकर लगाने से कांच अच्छे से साफ हो जाएगा।

### नमक
नमक खाने के स्वाद को बढ़ाने के साथ ही घर की साफ सफाई करने के काम भी आता है। इसका इस्तेमाल करके घर के शीशों को आसानी से साफ किया जा सकता है। नमक से शीशे साफ करने के लिए इसको पानी में डालकर घोल बनाएं। इससे शीशा साफ करें, शीशा चमकने लगेगा। इसके अलावा, कपडे पर लगे कोल्डड्रिंक के दाग आदि को छुड़ाने में भी नमक का प्रयोग किया जाता है।

### क्लब सोडा
कांच की गंदगी साफ करना का सबसे आसान और सस्ती चीज है क्लब सोडा। इसका इस्तेमाल करने के लिए क्लब सोडा को एक स्प्रे बोतल में भर लें। कांच में जहां गंदगी दिखें वहीं इसे स्प्रे करें और साफ कॉटन के कपड़े से पोछ लें। इस तरह से कांच साफ करने से चमक उठेगा

### ठंडे पानी
शीशे पर पड़े दागों को दूर करने के लिए ठंडा पानी लें। पानी को धीरे- धीरें शिशे पर फेंके। अब इसको नर्म कपड़े की सहायता से आराम से साफ करें। ऐसा करने से कुछ ही समय में दाग मिट जाएगें।

### अल्कोहल
शीशे के पुराने और जिद्दी दागों को दूर करने के लिए अल्कोहल का इस्तेमाल करें। एक कपड़े पर अल्कोहल डालकर कांच साफ करें। कुछ ही मिनटों में दाग छूमंतर हो जाएंगे।

### नींबू का रस
नींबू के रस से आसानी से घर के गंदे शीशों को साफ किया जा सकता है। नींबू के रस में थोड़ा सा पानी डालकर मिक्स करें। अब एक सूती कपड़ा लें। इसके बाद उस कपड़े धीरे- धीरे शीशे को साफ करें।

# प्रैग्नेंसी में रखें खुद का ख्याल

प्रैग्नेंसी में नन्हें मेहमान के आने की जितनी ज्यादा खुशी होती हैं, उससे भी ज्यादा इस बात का फिक्र सताता है कि आने वाला बच्चा हैल्दी हो। इस लिए मां का खास ख्याल रखा जाता है क्योंकि उसी से बच्चे को पूरा पोषण मिलता है। अगर मां में ही पोषक तत्वों की कमी होगी तो भविष्य में इसका असर बच्चे पर भी पड़ेगा। कैल्शियम, आयरन, विटामिन, खनिज पदार्थ, फाइबर, पोटाशियम आदि से भरपूर आहारों का सेवन गर्भावस्था में बहुत जरूरी है। इसी से बच्चे का शारीरिक और मानसिक विकास होगा और बीमारियों से भी उसका बचाव रहेगा। शरीर में इस समय हॉर्मोंस का परिवर्तन होने से मां का मूड बदलना स्वभाविक है। इससे उसे बहुत सी परेशानियों से भी गुजरना पड़ता है। ऐसे में प्रेग्नेंसी का समय एंज्वाय करने के लिए कुछ बातों का खास ख्याल रखना बहुत जरूरी है।

### ऐसे करें स्किन केयर
गर्भावस्था में पेट और स्तन का आकार बढ़ने से स्किन पर खिंचाव के निशान पड़ जाते हैं। जिससे स्किन पर धारियां और गहरे भूरे रंग की लकीरे पड़ने का डर रहता है। इसके लिए अपनी मर्जी से दवाइयों खाने की गलती न करें। खास तरीकों से ही अपनी स्किन की केयर करें।

प्रेग्नेंसी में त्वचा खुष्क होने लगती है इसलिए नहाने से पहले सरसो या फिर जैतून के तेल से शरीर की मसाज करें। मसाज हमेशा हल्के हाथों से करें। इससे त्वचा में नमी बरकरार रहेगी और त्वचा पर पड़े दाग-धब्बे भी दूर हो जाएंगे। पर्याप्त मात्रा में पानी का सेवन करना बहुत जरूरी है। इससे स्किन और सेहत दोनों अच्छी रहेंगी स्ट्रेच मॉस्क पर दवाइयां लगाने की बजाए नारियल का तेल लगाएं। इससे किसी तरह की एलर्जी भी नहीं होगी और दाग के निशान भी गायब हो जाएंगे।

### कपड़े पहने स्टाइलिश
गर्भावस्था के समय मां जितना खुश रहेगी बच्चा भी उतना ही हैल्दी रहेगा। गर्भवती महिला का स्मार्ट बनकर रहना बहुत जरूरी होता है। ड्रैसिंग स्टाइल भी आपकी खुशी को व्यक्त करने का काम करता है। इस समय टाइट कपड़े पहनने से परहेज करें। इससे बच्चे की ग्रोथ होने में आसानी होगी।

स्टाइलिश मैक्सी ड्रैस पहनने में आरामदायक होती हैं।
डार्क रंग के कपड़ें इस समय मन को खुशी देते हैं।
फ्लोरल या फिर कॉर्टून प्रिंट के आउटफिट्स बहुत अच्छे लगते हैं।

### सेहत के रखें ख्याल
संतुलित आहार खाना इस समय बहुत महत्वपूर्ण होता है। फल, सब्जियां, दूध, सूप आदि समय-समय खाना बहुत जरूरी है। एक बार खाने की बजाए 2-3 घंटे में कुछ न कुछ खाना चाहिए।

रोटी,ब्रेड,चावल,साबुत अनाज को अपनी डाइट का हिस्सा बनाएं। इन चीजों से आपको प्रोटीन मिलता है। इस समय प्रोटीन का सेवन बहुत जरूरी होता है।

दूध,पनीर,अंडे,छाछ को भी आहार में शामिल करें। दूध से एलर्जी है तो छोले, राजमा, जई, बादाम, सोया दूध और सोयाबीन पनीर का भी खा सकते हैं।

फलों का जूस पीने से साथ-साथ फल चबाकर खाने से ज्यादा फायदा मिलता है। यह शरीर में ऊर्जा का स्तर बनाए रख सकते हैं।

## हर महिला के काम को
# आसान बना देंगे ये स्मार्ट ट्रिप्स

हाउस वाइफ ही नहीं बल्कि वर्किंग वुमन्स का भी किचन के साथ गहरा रिश्ता होता है। वैसे तो गृहणीयां खाना बनाने से लेकर किचन में हर में माहिर होती है लेकिन इसके बावजूद भी कई बार उन्हें काम करते समय कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ता है, जिसके कारण काम में देरी हो जाती है। किचन से जुड़ी छोटी-मोटी बातों के बारे में हर औरत को पता होना चाहिए, ताकि वो अपने काम को और भी आसान बना सके। आज हम आपको ऐसे ही कुछ टिप्स बताने जा रहें है, जिनकी मदद से आप अपने काम को और भी आसान बना सकते है। ये शानदार किचन ट्रिक्स आपका काम आसान करने के साथ-साथ खाने का स्वाद भी बढ़ जाएगा।

किचन टिप्स

बादाम या टमाटर छिलने के लिए पहले उन्हें 5-10 मिनट तक पानी में उबाले। इससे इनके छिलके आसानी से निकल जाएंगे।

प्याज को काटने और लहसुन को छिलने से पहले उसे 10 मिनट के लिए पानी में भिगो दें। इससे प्याज काटते समय आंसू नहीं आएंगे और लहसुन के छिलके भी आराम से उतर जाएंगे।

सूखे मेवे या ड्राईफ्रूट्स को काटने से पहले 1 घंटे के लिए फ्रिज में रख दें। इससे यह सॉफ्ट हो जाएंगे और आप इन्हें आसानी से काट सकेंगी। मशरूम को कभी भी पानी से न धाएं। क्योंकि यह पानी को सोख लेते है और कपाते समय पानी छोड़ देते है, जिससे सब्जी का टेस्ट खराब हो जाता है। इसकी बजाए आप मशरूम को गीले कपड़े से साफ करें।

अगर आप पनीर बना रही है तो उसमें थोड़ा-सा ऑयल लगा दें। इससे यह बर्तन के साथ चिपकेंगे नहीं।

शहद की शुद्धता पता लगाने के लिए उसकी कुछ बूंदें कांच की बोतल या गिलास में डालें। अगर शहद तले पर बैठ जाए तो शुद्ध है और अगर वो पानी में मिक्स हो जाए तो मिलावटी है।

अगर आप बिरयानी या कोई ग्रेवी वाली डिश बना रही है तो उसमें दही डालने से पहले अच्छी तरह फेंट लें। इससे खाने का स्वाद बढ़ जाएगा। इसके अलावा सब्जियां उबालने के बाद इसके पानी को दाल बनाने में इस्तेमाल करें। इससे दाल का स्वाद दोगुना हो जाएगा। चावल पकाने से पहले उससे अच्छी तरह से धो लें। इससे चावल में मौजूद स्टार्च निकाल जाएगा और चावल पकने के बाद चिपचिपा नहीं होगा। इसके अलावा चावल की खीर बनाते समय बर्तन में पहले थोड़ा-सा पानी डाल दें। इससे दूध बर्तन के तले पर नहीं चिपकेगा।

फलों को काटने के बाद उसके उपर अच्छी तरह से नींबू छिड़ककर फ्रिज में स्टोर करें। इससे फल पूरा दिन ताजे रहेंगे और इनका रंग भी खराब नहीं होगा।

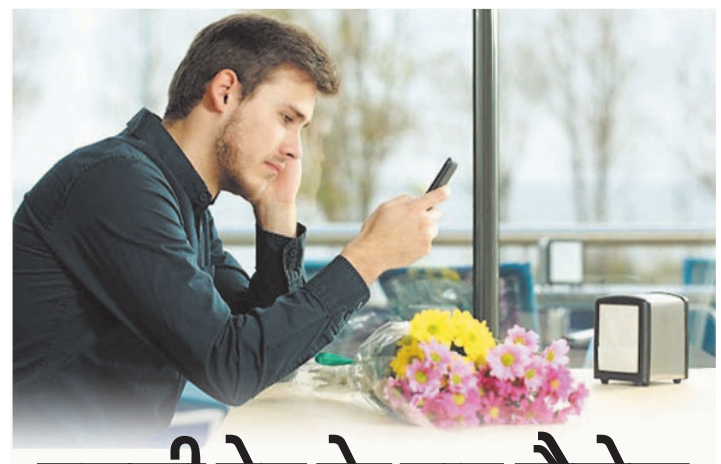

# पहली डेट के बाद मैसेज कर रहे है तो न करें ये बात

जब कोई लड़का या लड़की नए-नए रिलेशन में पड़ते है तो वह हर वक्त एक-दूसरे से बातें करने का बहाना ढूंढते रहते है। हर वक्त मैसेज के जरिए एक-दूसरे से बातें करने लगते है लेकिन नए रिश्ते में लड़की को अधिक मैसेज करने से आपका बना हुआ रिश्ता टूट भी सकता है क्योंकि कोई भी लड़की शुरूआत में अपनी लाइफ में किसी दूसरे की दखलअंदाजी पसंद नहीं करती। इसलिए ऐसे में लड़कों को थोड़ा सावधानी बरत कर लड़की को मैसेज करने चाहिए, ताकि लड़की को किसी बात का गुस्सा न लगे। कई बार ऐसा होता है कि लड़के बेवक्त लड़की को मैसेज करने लगते है या फिर ड्रिंक करके मैसेज में कुछ भी बोल देते है, जो लड़की को बिल्कुल भी पसंद नहीं आता है और आपका रिश्ता बनता-बनता टूट जाता है। अगर आप भी अभी नया-नया रिश्ता बना रहे है तो लड़की के साथ मैसेज पर बात करते समय कुछ बातों पर जरूर ध्यान रखें।

### अधिक मैसेज न करें
पहली डेट के बाद लड़की के साथ बातचीत बढ़ाना अच्छी बात है लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि उसके बार-बार मैसेज करके टंग करते रहे। अधिक मैसेज करने से भी रिश्ता जुड़ने से पहले ही टूट सकता है। इसलिए मैसेज करने पहले इस बात का खास ध्यान रखें।

### देर रात मैसेज न करें
दिन के समय मैसेज करके थोड़ी-बहुत बात करना तो ठीक है लेकिन देर रात तक लड़की को कभी मैसेज न करें। इससे लड़की नाराज भी हो सकती है और आपसे दूरिया भी बना सकती है।

### शराब पीने के बाद
नया रिश्ता जोड़ रहे है तो कोई भी गलती करने से पहले दस बार जरूर सोचें। इसके अलावा अगर आप ड्रिंक भी करते है तो शराब पीने के बाद लड़की को कभी मैसेज न करें क्योंकि ड्रिंक करने के बाद कोई भी अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाता और कोई न कोई गलती कर बैठता है।

### क्रोधित होने भी न करें मैसेज
कहते है कि गुस्सा बहुत बुरी चीज है। गुस्सा आने पर इंसान कोई होश नहीं रहता है कि वह किसे क्या बोल रहा है। इसलिए बेहतर होगा कि जब आप गुस्से में हो तो किसी लड़की को मैसेज न करें। क्योंकि उस वक्त आपको खुद नहीं पता होता है कि आप क्या बोल रहे है।

मैसेज में सवाल-जवाब कम करें
पहली डेट के साथ अगर लड़की के साथ मैसेज पर बात कर भी रहे है तो उसके साथ ज्यादा सवाल न करें क्योंकि इससे उसे गुस्सा भी आ सकता है और वह आपसे चिड़ भी सकती है।

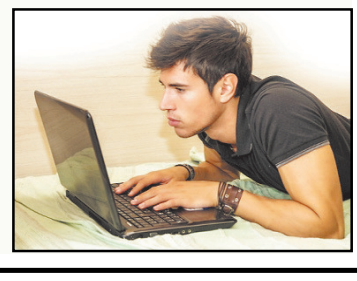

## ब्रिटेन के विमान हादसे में आरएएफ पायलट की मौत

लंदन। ब्रिटेन के लिंकनशायर में हुए एक विमान हादसे में आरएएफ के पायलट की मौत हो गई। यह हादसा ब्रिटिश रॉयल एयर फोर्स (आरएएफ) बेस के पास हुआ है। स्पिटफायर के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण आरएएफ के पायलट की मौके पर ही मौत हो गयी। विमान दुर्घटना की जानकारी दे रहे आरएएफ के एक प्रवक्ता ने कहा कि दुख के साथ यह जानकारी देना पड़ रही है कि विमान हादसे में पायलट की मौत हो गई है। उन्होंने कहा कि आरएएफ कोनिंग्सबी के पास दुर्घटना हुई जिसमें आरएएफ के एक पायलट की मौत की पुष्टि करनी पड़ रही है। इससे पहले शनिवार को लिंकनशायर पुलिस के एक प्रवक्ता ने घटना की जानकारी देते हुए कहा था कि एक 'एकल यात्री विमान' दुर्घटनाग्रस्त हुआ है, जिसमें किसी और के होने की संभावना नहीं है। अन्य सूत्रों ने जानकारी देते हुए बताया कि यह विमान अंतरराष्ट्रीय समय के मुताबिक 12.20 बजे से कुछ समय पहले दुर्घटनाग्रस्त हुआ। दुर्घटनाग्रस्त स्पिटफ़ायर विमान ब्रिटेन के युद्ध स्मारक कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचा था। यहां बतलाते चलें कि आरएएफ कॉनिंग्सबी बैटल ऑफ़ ब्रिटेन मेमोरियल फ़्लाइट का एक अड्डा है, जहां युद्धकालीन लड़ाकू और बमवर्षक विमानों को संग्रहित किया गया है। ये विमान एयर शो और युद्ध स्मारक प्रदर्शनों में हिस्सा लेते हैं।

## राफा में अभियान समाप्त करे इजरायल

लंदन। हम आपको एक ऐसे पक्षी के पंख के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसका एक छोटा सा पंख 23 लाख 66 हजार रुपये में नीलाम हुआ है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह पंख न्यूजीलैंड के हुइया पक्षी का है, जो दशकों पहले लुप्त हो चुका है। हुआया पक्षी को माओ, यह पंख अद्भुत स्थिति में था। अभी भी इसकी चमक अलग ही थी। कीड़ों से कोई नुकसान नहीं हुआ था। इसे यूवी सुरक्षात्मक ग्लास में फ्रेम करके रखा गया है। इसे सिर्फ म्यूजियम के लोगों को देखने की अनुमति थी, जिन लोगों के पास लाइसेंस था। ऐसे लोग कल्चर मिनिस्ट्री की अनुमति के बगैर देश छोड़कर नहीं जा सकते। मॉरिस ने कहा, हमें रिकॉर्ड संख्या में इसकी नीलामी के लिए आवेदन मिले।

## वानुआतू में लगे भूकंप के तेज झटके, कोई नुकसान नहीं

पोर्ट विला। दक्षिण प्रशांत द्वीप देश वानुआतू में रविवार को भूकंप के तेज झटके महसूस लगे। भूकंप से किसी प्रकार के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग के मुताबिक भूकंप के झटके स्थानीय समयानुसार सुबह 9:23 बजे महसूस किए गए और इसकी तीव्रता 6.3 थी। भूकंप का केंद्र राजधानी पोर्ट विला से 83 किलोमीटर उत्तर पश्चिम में 29 किलोमीटर की गहराई में था। हवाई स्थित प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र ने कहा कि भूकंप से सुनामी का कोई खतरा नहीं है। भूकंप के झटके जोरदार और धीमे दोनों थे, लेकिन इससे पोर्ट विला को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है।

## ब्रिटेन में आईडी के जरिए वोट डालेंगे मतदाता, भारत में 31 साल पहले आईडी से डले थे वोट

लंदन। ब्रिटेन में पहली बार 4 करोड़ 70 लाख मतदाताओं के मतदाता आईडी कार्ड तैयार किए जा रहे हैं। 4 जुलाई को समय पूर्व मतदान होने वाला है। उसमें मतदाता को आईडी को दिखाना अनिवार्य किया गया है। ब्रिटेन में जो आईडी तैयार की गई है उसमें मतदाता का फोटो अनिवार्य किया गया है। इस तरह की आईडी भारत में 31 साल पहले शुरू की गई थी। प्रधानमंत्री सुनक ने जनवरी माह में वोटर आईडी बनाने का निर्णय लिया था। लेकिन चुनाव तय समय से जल्दी हो रहे हैं। इसके लिए मतदाता परिचय पत्र के लिए फोटो युक्त 22 आईडी को जुलाई माह में हो रहे चुनाव के लिए मान्य किया गया है। ब्रिटेन में अभी तक मतदाता आईडी कार्ड बनकर तैयार नहीं हो पाए हैं। ब्रिटेन में 6 माह पहले से जो लोग रह रहे हैं। वह सभी वोट डाल सकेंगे। इसमें ब्रिटेन में पढ़ाई कर रहे छात्र और वर्क वीजा में गए हुए लोग भी शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि भारत ब्रिटिश राष्ट्रमंडल का सदस्य देश है। जिसके कारण ब्रिटेन में 6 माह रहने पर उसे मतदान का अधिकार मिल जाता है।

## ऑस्ट्रेलिया में समुद्र में मिला बीजेपी नेता के बेटे का शव, कार को गैराज ले जाने निकला था फिर हो गया लापता

न्यूसाउथ वेल्स। तेलंगाना के शादनगर के रहने वाले आईटी पेशेवर अरविंद (30) का शव आस्ट्रेलिया के सिडनी में समुद्र से बरामद किया गया है। न्यू साउथ वेल्स में रह रहा अरविंद कार को गैराज ले जाने घर से निकला फिर लापता हो गया। अरविंद के रिश्तेदार कृष्णा ए. ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया के अधिकारियों ने उसकी मौत की जानकारी परिजनों को दी। साथ ही उन्होंने बताया कि मृत्यु का कारण स्पष्ट नहीं है और इस मामले में जांच की जा रही है। अरविंद बीजेपी नेता दिवंगत आरती कृष्ण यादव के इकलौते बेटे थे। अरविंद के परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों ने केंद्र सरकार से उसके पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द हैदराबाद लाने में मदद करने का अनुरोध किया है। अरविंद ऑस्ट्रेलिया में एक आईटी पेशेवर के रूप में कार्यरत था। वह 2017 से न्यू साउथ वेल्स में रह रहा था और करीब दो साल पहले उसकी शादी हुई थी। उसके रिश्तेदार ने कहा कि अरविंद और उसकी पत्नी भारत आने की योजना बना रहे थे और टिकट भी बुक हो चुका था, जबकि अरविंद की मां जो आस्ट्रेलिया में उनके साथ रह रहीं थी, हाल ही में भारत लौट आई थीं। अरविंद ने अपनी पत्नी से कहा था कि वह कार गैरेज में ले जा रहा है लेकिन उसके बाद वह लापता हो गया। अरविंद की पत्नी ने उसे फोन किया लेकिन कोई जवाब नहीं मिलने पर उसने 20 मई को न्यू साउथ वेल्स पुलिस में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। कृष्णा ने बताया कि बाद में अरविंद का शव सिडनी में एक समुद्र तट के पास मिला और डीएनए परीक्षण से पुष्टि हुई कि यह अरविंद का ही शव है। कृष्णा ने केंद्र सरकार से अरविंद के शव को घर वापस लाने के लिए का अनुरोध किया है। केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने भी विदेश मंत्री एस जयशंकर से अरविंद के शव को जल्द से जल्द भारत वापस लाने में मदद करने का आग्रह किया है।

## अमेरिका में बदबू से बचने के लिए 54816 करोड़ की खुशबू बिकी

न्यूयॉर्क । अमेरिका में बड़ी तेजी के साथ डिओड्रेन्ट की मांग बढ़ती जा रही है।पिछले एक वर्ष में अमेरिका में 54816 करोड रुपए का डिओडरेंट अमेरिका के लोगों ने खरीदा। अमेरिका की जनसंख्या से प्रति व्यक्ति के रूप में विभाजित किया जाए। तो प्रति व्यक्ति 1600 रुपए बदबू से बचने के लिए अमेरिकी नागरिकों ने खर्च किया है। अमेरिका की यूरो मॉनिटर शोध फर्म के अनुसार मार्च माह तक यहां पर शरीर पर लगाने वाले डिओडरेंट मांग तेजी से बढी है। बदबू से बचने के लिए यह सबसे बड़ा खर्च है। गूगल सर्च इंजन में डिओडरेंट की खोज करने वाले की संख्या भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ी है।

## चीन के राष्ट्रपति को विद्रोह का डर, बच्चों तक की कराई जा रही है जासूसी

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के खिलाफ विद्रोह बढ़ता जा रहा है।इसको देखते हुए चीन की सरकार ने स्कूल एवं कॉलेज के बच्चों, प्रिंसिपल, रिटायर्ड जजों और नागरिकों की जासूसी शुरू कर दी गई है। चीन की सरकार ने पुलिस अधिकारियों को जासूसी की जिम्मेदारी सौंपी है। स्कूल में पुलिस अधिकारियों को प्रिंसिपल आफ लॉ बनाया गया है। पुलिस द्वारा स्थानीय नागरिकों, छात्रों, सेवानिवृत्त कर्मचारियों तथा दुकानदारों पर पल-पल की जानकारी ली जा रही है। जिन लोगों के ऊपर शक है। उन्हें सर्विलांस पर रखा गया है। जिन परिवारों को शी जिनपिंग का समर्थक पाया गया। उनके घरों पर हरे निशान लगाए गए हैं। जिन परिवारों के लोगों की सोच शी जिनपिंग से नहीं मिलती है। उनकी पहचान के लिए पीले रंग का इस्तेमाल किया जा रहा है। जो परिवार या व्यक्ति शी जिनपिंग का विरोध करते हैं ।उनके लिए गुलाबी रंग का इस्तेमाल किया जा रहा है। पुलिस ने रंग के आधार पर चीन के परिवारों और नागरिकों को विभाजित कर, उनकी जासूसी की जा रही है। पुलिस रिकॉर्ड में जिन्हें गुलाबी रंग से पहचान गया है। उनके ऊपर जासूसी की जा रही है। उन पर कठोर नियंत्रण भी किया जा रहा है। चीन ने देश की आखरी मस्जिद द ग्रैंड मॉस्क की गुंबद को भी तोड़कर हटा दिया है। सरकार ने मीनारो को हटाकर पैगोड़ा टावर जैसा निर्माण किया है।

कनाडा में हायक इंटरनेशनल परेड के दौरान विंटेज साइकिल चलाता हुआ एक कलाकार।

## मालदीव के साथ एफटीए को लेकर भारत कर रहा प्रयास : सईद

माले। भारत ने दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के प्रयास शुरू कर दिए हैं और इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए विचार-विमर्श चल रहा है। मालदीव के आर्थिक विकास और व्यापार मंत्री मोहम्मद सईद ने यहां कहा कि भारत चाहता हैं कि दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार समझौता (साफ्टा) के अलावा मालदीव के साथ अलग से एक मुक्त व्यापार समझौता किया जाए। सईद ने कहा कि मालदीव के राष्ट्रपति ने सभी देशों को यह अवसर दिया है और सरकार का लक्ष्य ज्यादा से ज्यादा देशों के साथ समझौते करना है, ताकि व्यापार गतिविधियों में सुगमता लाई जा सके। मालदीव के साथ एफटीए की मांग को लेकर भारत का प्रयास पिछले साल नवंबर से दोनों देशों के बीच चल रहे राजनयिक विवाद की पृष्ठभूमि में आया है। अपने चीन समर्थक रुख के कारण मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू ने पिछले साल नवम्बर में पद की शपथ ली थी। भारत और मालदीव के बीच 1981 का व्यापार समझौता जरुरी वस्तुओं के निर्यात का प्रावधान करता है। एक रिकॉर्ड के मुताबिक मामूली शुरुआत से बढ़ते हुए, भारत-मालदीव द्विपक्षीय व्यापार 2021 में पहली बार 30 करोड़ डॉलर डालर को पार कर गया था, जो 2022 में 50 करोड़ डॉलर तक पहुंच गया है।

# हमास की अल कसम बिग्रेड ने इजरायली सैनिकों के छक्के छुड़ा दिए

### - हमास ने कई इजरायली सैनिकों को पकड़ने का भी दावा किया

**तेल अवीव (एजेंसी)।** इजरायल और हमास आर्तकियों के बीच भीषण लड़ाई को 200 से ज्यादा दिन हो गए हैं। हमास की अल कसम ब्रिगेड का कहना है कि उसके लड़ाकों ने उत्तरी गाजा के जबलिया में लड़ाई के दौरान इजरायली सैनिकों के छक्के छुड़ा दिए। इसमें कई इजरायलियों को उल्टे पांव भागना भी पड़ा। हमास ने कई इजरायली सैनिकों को पकड़ने का भी दावा किया है। हालांकि हमास के दावे को झूठा बताते हुए इजरायल का कहना है कि वह हमास के दावे को सही नहीं मानता। हमास ने अपने दावे की पुष्टि करने के लिए कुछ वीडियो भी जारी किए हैं। अल क़सम ब्रिगेड के प्रवक्ता अबू उबैदा ने रविवार को अल जजीरा में एक रिकॉर्ड संदेश में कहा कि हमारे लड़ाकों ने यहूदी सेना को एक सुरंग के अंदर घात लगाकर हमला करने के लिए उकसाया। भीषण लड़ाई में आईडीएफ के सभी सदस्यों को हमने दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। कई मारे गए, कुछ उल्टे पांव भाग गए और कुछ पकड़े गए हैं। उधर, इजरायली सेना ने हमास की सशस्त्र शाखा के दावे का खंडन किया है। सेना ने एक बयान में कहा कि आईडीएफ (इजरायली रक्षा बल) स्पष्ट करता है कि ऐसी कोई घटना नहीं है जिसमें किसी सैनिक का अपहरण किया गया हो। हमास ने एक वीडियो जारी किया जिसमें खून से लथपथ एक व्यक्ति को सुरंग में जमीन पर घसीटते हुए देखा जा सकता है। हालांकि

एजेंसी रॉयटर्स ने वीडियो की पुष्टि नहीं की है। अबू उबैदा की यह टिप्पणी गाजा युद्धविराम वार्ता फिर से शुरू होने की संभावना के कुछ घंटों बाद आई है। मामले की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी ने बताया कि इजरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद के प्रमुख की सीआईए प्रमुख और कतर के प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद अगले हफ्ते बातचीत फिर से शुरू करने का फैसला लिया गया है। उधर, हमास के एक अधिकारी ने बाद में इजरायली मीडिया रिपोर्टों का खंडन किया कि युद्धविराम वार्ता मंगलवार को काहिरा में फिर से शुरू होगी, उन्होंने बताया कि अभी कोई तारीख तय नहीं की गई है। गौरतलब है कि गाजा में सात महीने से अधिक समय तक चल रहे युद्ध के बाद भी इजरायल और हमास के बीच भयंकर युद्ध जारी है। इजरायल अपने लोगों की रिहाई की मांग लगातार उठा रहा है और गाजा के बाद राफा में युद्ध जारी रखे हुए है। इजरायली हमले में लगभग 36,000 फिलिस्तीनी मारे गए हैं।

## चीन और नेपाल ने पारंपरिक सीमा व्यापार केंद्रों को खोला

### -द्विपक्षीय आर्थिक और व्यापार संबंधों को बढ़ाने की दिशा में अच्छा कदम

**ल्हासा (एजेंसी)।** चीन और नेपाल ने अपने पारंपरिक सीमा व्यापार केंद्रों को फिर से खोल दिया, जो द्विपक्षीय आर्थिक और व्यापार संबंधों को बढ़ाने की दिशा में एक अच्छा कदम है। एक रिपोर्ट के मुताबिक जेनतांग व्यापार केंद्र पर 110 चीनी व्यापारी और 47 नेपाली व्यापारी 50 से अधिक प्रकार के सामानों के लेनदेन में लगे हुए थे, जिनमें रोजमर्रा की चीजों की निर्माण सामग्री, भोजन और पेय पदार्थ, कृषि उत्पाद और नेपाली हस्तशिल्प शामिल थे। झोंगबा, सागा, ग्यिरॉन्ग और न्यालम जैसी काउंटियों में अन्य पारंपरिक स्थलों पर भी व्यापार गतिविधियां फिर से शुरू हो गईं।

भारत, नेपाल और भूटान की सीमा से लगा और पांच व्यापारिक भूमि बंदरगाहों की मेजबानी करने वाला जिगाजे दक्षिण एशिया के लिए चीन के लिए एक महत्वपूर्ण शहर है। पारंपरिक सीमा व्यापार ने लंबे समय से सीमावर्ती निवासियों की आजीविका का समर्थन किया है और सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास और समृद्धि को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

फेंग ने कहा कि हम सीमा व्यापार बुनियादी ढांचे में सुधार करने और चीन और नेपाल के बीच आर्थिक और व्यापार आदान-प्रदान को बढ़ावा देने की योजना तैयार कर रहे हैं। जिजांग ने पिछले साल 175 देशों और क्षेत्रों के साथ व्यापार किया। नेपाल से इसका आयात और निर्यात, इसके सबसे बड़े व्यापारिक भागीदार को मिलाकर करीब 2.77 अरब युआन (करीब 389.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर) था, जो साल दर साल 77.2 फीसदी ज्यादा था।

## राफा में अभियान समाप्त करे इजरायल, स्पेन का नेतन्याहू को सख्त संदेश संरा न्यायालय के फैसले को लागू करे

**मैड्रिड (एजेंसी)।** स्पेन ने इजराइल से संयुक्त राष्ट्र के न्यायालय के फैसले को लागू करने और राफा में सैन्य अभियान समाप्त करने को कहा है। आईसीजे के अध्यक्ष नवाफ सलाम ने पहले ही कहा था कि इजराइल को दक्षिणी गाजा पट्टी के राफा में अपना सैन्य अभियान बंद करना होगा।

स्पेन के विदेश मंत्री जोस मैनुअल अल्बेरेस ने इज़राइल से राफा में जारी सैन्य अभियान को समाप्त करने और अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) के फैसले को लागू करने का आह्वान किया है। गौरतलब है कि आईसीजे अध्यक्ष नवाफ सलाम शुक्रवार को कह चुके हैं कि इजराइल को दक्षिणी गाजा पट्टी के राफा में अपना सैन्य अभियान बंद करना होगा। न्यायाधीश का कहना है, कि नरसंहार के आरोपों की जांच कर रही टीमों के साथ-साथ मानवीय सहायता के लिए एन्क्लेव तक निर्बाध पहुंच सुनिश्चित होनी चाहिए। राफा में इजराइल की आक्रामकता को समाप्त करने सहित अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के एहतियाती उपाय इजराइल को अनिवार्य रुप से मानने होंगे। उनका कहना था कि यही बात युद्ध विराम, बंधकों की रिहाई और मानवीय सहायता पहुंच पर भी लागू होती है। आईसीजे के मुताबिक गाजावासियों की पीड़ा समाप्त होनी चाहिए और हिंसा रोकी जानी चाहिए।

यहां स्पेन की रक्षा मंत्री मार्गरीटा रोबल्स का कहना था कि गाजा की स्थिति यथार्थ में नरसंहार ही है। एक बातचीत के दौरान रोबल्स ने कहा, कि दुनिया में जो कुछ भी घटित हो रहा है, उस पर स्पेन की हमेशा से कड़ी नजर है। हम यह नहीं भूल सकते कि यूक्रेन में लोग मारे जा रहे हैं, वहां भी एक भयानक युद्ध चल रहा है और गाजा में जो हो रहा है, उसे भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, जो वाकई एक नरसंहार है। अंततः रोबल्स ने कहा कि स्पेन और उसके सशस्त्र बल शांति के लिए प्रतिबद्ध हैं।

## पापुआ न्यू गिनी में भूस्खलन से तबाही: अब तक 670 लोगों के जिंदा दफन होने की आशंका

### -राहत और बचाव कार्य में आ रही दिक्कत

**पोर्ट मोरेस्बी (एजेंसी)।** पापुआ न्यू गिनी के एंगा प्रांत के यमबली गांव में बड़े पैमाने पर हुए भूस्खलन के बाद करीब 670 लोगों की मौत हो गई। एक अनुमान के मुताबिक भूस्खलन में डेढ़ सौ से अधिक घर जमीदोज हो चुके हैं।

संयुक्त राष्ट्र प्रवासन एजेंसी के अधिकारी सेरहान एक्टोप्राक ने रविवार को बताया कि बड़े पैमाने पर भूस्खलन हुआ जिसमें अनुमानतः150 से अधिक घर दफन हो गए हैं। इसमें करीब 670 से अधिक लोगों की जान जाने की आशंका जाहिर की गई है। पापुआ न्यू गिनी की राजधानी पोर्ट मोरेस्बी में रहने वाले एक्टोप्राक ने एक बातचीत के दौरान कहा कि घटनास्थल के हालात भयानक हैं क्योंकि जमीन लगातार धंसती जा रही है, जमीन

खिसक रही है और पानी बह रहा है। इस कारण वहां मौजूद प्रत्येक व्यक्ति के लिए खतरा बना हुआ है।

स्थानीय अधिकारियों ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया था कि 100 या उससे अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि रविवार तक केवल पांच शव और छठवें एक पीड़ित का पैर बरामद किया गया था। बताया जा रहा है कि लगातार भूमि में हलचल होने के चलते गांव से करीब 1,000 से अधिक लोग विस्थापित हो गए हैं। भूस्खलन के कारण पानी की सप्लाई पूरी तरह चौपट हो चुकी है। मिट्टी के नीचे दबे शवों को निकालने के लिए लोग लकड़ी, फावड़े, बड़े कृषि काटे का प्रयोग कर रहे हैं। बावजूद इसके बचाव टीम को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। एक्टोप्राक के अनुसार बचाव दल ने अब मलबे के नीचे किसी के जीवित होने की उम्मीद छोड़ दी है। इस कारण चारों ओर शोक और मातम देखने को मिल रहा है। आपातकालीन कर्मचारियों ने रविवार को जीवित बचे लोगों को सुरक्षित स्थलों की ओर ले जाने का काम शुरू कर दिया है. क्योंकि देश के ऊपरी इलाकों में भूमि में हलचल बनी हुई है। मानवीय एजेंसी केयर इंटरनेशनल के कंट्री निदेशक जस्टिन मैकमोहन का कहना है कि जीवित बचे लोगों को भोजन, पानी और रहने के लिए जगह उपलब्ध कराना पहली प्राथमिकता है। यहां बतलाते चलें कि पोर्ट मोरेस्बी से तकरीबन 6 सौ किलोमीटर दूर स्थित उत्तर-पश्चिम के एंगा प्रांत में शुक्रवार को भूस्खलन हुआ था, जिसमें सैकड़ों लोग जमीन के अंदर दब गए और अब 670 लोगों के मारे जाने की दुःखद खबर है।

# म्यांमार में हिंसा के चलते करीब 45 हजार रोहिंग्या ने छोड़ा घर

### -आराकान आर्मी ही कर रही लोगों की हत्या

**नेपीडॉ, (एजेंसी)।** म्यांमार में तख्तापलट के बाद से ही अशांति फैली है। हिंसा के चलते अब तक करीब 45 हजार रोहिंग्या अपना घर छोड़कर यहां से जा चुके हैं। म्यांमार के राखाइन समेत आसपास के प्रांतों में हिंसा के चलते बड़ी संख्या में रोहिंग्या पलायन कर गए। रोहिंग्या पर संकट तब और बढ़ गया जब आराकान आर्मी ने म्यांमार की सेना और पुलिस को निशाना बनाया। वैसे तो आराकान आर्मी खुद को रोहिंग्या मुसलमानों की हितैसी बताती है।

बता दें कि म्यांमार में बहुसंख्यक बौद्ध रोहिंग्या मुसलमानों को बाहरी मानते हैं। वहीं आराकान आर्मी का दावा है कि वह राखाइन प्रांत के लोगों के लिए लड़ाई लड़ता है। यहां करीब 6 लाख रोहिंग्या मुसलमान रहते थे। अब तक 20 लाख से ज्यादा रोहिंग्या बांग्लादेश या सीमाई इलाकों में शिफ्ट हो चुके हैं। यूएन राइट्स ऑफिस के प्रवक्ता एलिजाबेथ थ्रोसेल ने बताया कि बुथिदाउंग और माउंगदा में हाल ही में हुई हिंसा के बाद 10 हजार से ज्यादा रोहिंग्या यहां से जा चुके हैं। करीब 45 हजार रोहिंग्या नफ नदी के इलाके में बांग्लादेश की सीमा पर चले गए हैं और वे सुरक्षा की तलाश कर रहे हैं। रोहिंग्या अंतरराष्ट्रीय कानून के मुताबिक नागरिकों की सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। बांग्लादेश में बड़ी संख्या मे रोहिंग्याओं को शरण मिली हुई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक म्यांमार की सीमा पर अभी बहुत सारे रोहिंग्या फंसे हैं। यहां मानवाधिकारों की कोई वैल्यू नहीं रही है। बहुत सारे लोगों के सिर धड़ से अलग कर दिए गए।

आराकान आर्मी ने दावा किया था कि पूरे शहर पर उसका कब्जा हो गया है। इसके बाद यहां आगजनी और हत्या के मामले सामने आए। बताया जा रहा है कि आराकान आर्मी ने ही लोगों की हत्या की है। आराकान आर्मी ने धमकी दी है कि अगर रोहिंग्या उनका साथ नहीं देंगे तो उनका पूरा गांव जला दिया जाएगा। आराकान आर्मी एक इस्लामिक संगठन है। हालांकि यह खुद को सेक्युलर बताता है। यह संगठन पुलिस और सेना पर हमला करता है। कराची में जन्मा अताउल्लाह अबू इसका लीडर है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

### छठे चरण में मतदाताओं पर

# न तो नेताओं की अपील का असर हुआ न ही प्रचार का जादू चला

**पटना ।**

बिहार में हुए छठे चरण के मतदान में मतदाताओं पर न तो नेताओं की अपील का असर हुआ और न ही प्रचार अभियान का जादू चला। छठे चरण में 8 लोकसभा क्षेत्रों के हुए चुनाव में मतदान 55.45 प्रतिशत हुआ। इन्हीं लोकसभा क्षेत्रों में वर्ष 2019 में 3 फीसद ज्यादा 58.47 प्रतिशत वोट पड़े थे। इस बार वाल्मीकीनगर, पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण,शिवहर, वैशाली में 3 प्रतिशत कम मतदान हुआ जबकि गोपालगंज में 5 प्रतिशत और सिवान और महाराजगंज में 2 प्रतिशत कम मतदान हुआ है। वहीं वाल्मीकिनगर लोकसभा में इस बार 58.25 प्रतिशत मतदान हुआ जो वर्ष 2019 लोकसभा से लगभग 3 प्रतिशत कम है। वर्ष 2019 में 61.90 प्रतिशत मतदान हुआ था। मतदान के बाद यहां से जदयू के सिटिंग सांसद सुनील कुमार और राजद के दीपक यादव समेत अन्य उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में बंद हो गयी है। वहीं पश्चिम चंपारण लोकसभा क्षेत्र में इस बार 59.75 प्रतिशत मतदान हुआ जो वर्ष 2019 लोकसभा के मतदान से 3 प्रतिशत कम है। वर्ष 2019 में यहां 62.02 प्रतिशत मतदान हुआ था। यहां के सीटिंग सांसद डॉ संजय जायसवाल हैं। इनका सीधा मुकाबला कांग्रेस के मदन मोहन तिवारी से है। इनके भाग्य का निर्णय भी 4 जून तक ईवीएम में बंद हो गया है। पूर्वी चंपारण लोकसभा में इस बार 57.30 प्रतिशत मतदान हुआ जो वर्ष 2019 लोकसभा से लगभग 3 प्रतिशत कम है। वर्ष 2019 में यहां कुल 60.30 मतदान हुआ था। पूर्वी चंपारण के सिटिंग सांसद भाजपा के राधामोहन सिंह हैं। इनका मुकाबला वीआईपी के डॉ राजेश कुशवाहा से है। फैसला तो 4 जून को ईवीएम के खुलने पर ही पता चलेगा। शिवहर लोकसभा में इस बार 56.30.प्रतिशत मतदान हुआ है जो वर्ष 2019 लोकसभा से लगभग 3 प्रतिशत कम है। वर्ष 2019 में यहां 59.60 प्रतिशत मतदान हुआ था। शिवहर लोकसभा की सिटिंग सांसद रमा देवी थीं। इस बार इनका टिकट काट दिया गया है। यहां मुकाबला जदयू के लवली आनंद और राजद के रीतू जायसवाल से है। जीत की बाजी किसके हाथ होगी इसका फैसला भी 4 जून को होगा। वैशाली लोकसभा में इस बार 58.50 प्रतिशत मतदान हुआ जो वर्ष 2019 लोकसभा से लगभग 3 प्रतिशत कम है। वर्ष 2019 लोकसभा में यहां 61.91 प्रतिशत मतदान हुआ था। वैशाली से सिटिंग सांसद लोजपा की वीणा देवी हैं। इनका मुकाबला राजद के मुन्ना शुक्ला से है। गोपालगंज लोकसभा में इस बार 50.70 प्रतिशत मतदान हुआ जो वर्ष 2019 लोकसभा से लगभग 5 प्रतिशत कम है। वर्ष 2019 लोकसभा में यहां 50.70 प्रतिशत मतदान हुआ था। गोपालगंज से सिटिंग सांसद जदयू के डॉ आलोक सुमन हैं। इनका मुकाबला वीआईपी के प्रेमनाथ चंचल से है। इनका फैसला भी 4 जून को ईवीएम खुलने के बाद पता चलेगा कि जीत किसके हाथ लगी। सिवान लोकसभा में इस बार 52.70 प्रतिशत मतदान हुआ जो वर्ष 2019 लोकसभा से लगभग 2 प्रतिशत कम है। वर्ष 2019 लोकसभा में यहां 54.07प्रतिशत मतदान हुआ था। यहां की सिटिंग सांसद जदयू की कविता सिंह इस बार ये बेटिकट हो गईं। यहां मुकाबला त्रिकोणात्मक है।

जदयू की विजय लक्ष्मी व राजद के अवध बिहारी चौधरी और निर्दलीय उम्मीदवार हेना शाहेब की किस्मत ईवीएम में बंद है। 4 जून को इनका परिणाम आएगा। महाराजगंज लोकसभा में इस बार 51.27 प्रतिशत मतदान हुआ जो वर्ष 2019 लोकसभा से लगभग 2 प्रतिशत कम है। वर्ष 2019 लोकसभा में यहां 53.82 प्रतिशत मतदान हुआ था। यहां के सिटिंग सांसद भाजपा के जनार्दन सिग्रीवाल हैं। इनका मुकाबला कांग्रेस के आकाश प्रसाद सिंह से है। जीत किसके हाथ लगेगी यह भी 4 जून को ही पता चलेगा।

## संक्षिप्त समाचार

### बस सड़क किनारे 2 झुग्गियों में घुसी, 4 मजदूरों की मौत 5 घायल

**पणजी ।** दक्षिण गोवा में एक बस के सड़क किनारे 2 झुग्गियों में घुसने से 4 मजदूरों की मौत हो गई और 5 घायल हो गए। पुलिस ने इस घटना की जानकारी दी है। पुलिस ने बताया कि ये घटना सुबह 11:30 बजे उस समय हुई जब सड़क निर्माण में लगे मजदूर झुग्गियों में सो रहे थे। बताया जा रहा है। ये पास के कार्टोलिम गांव का निवासी है अब आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है। इस घटना के बाद आरोपी का मेडिकल टेस्ट कराया गया जिससे पता चला कि वह बस चलाते समय नशे में था। साथ ही इस मामले और एक और हैरान करने वाली बात सामने आई है बताया जा रहा है कि जब ये घटना हुई तो बस ड्राइवर ने वहां मौजूद मजदूरों से मामला को गुप्त रखने को कहा था। ड्राइवर ने मजूदरों को डराते हुए कहा कि अगर इस घटना के बारे में किसी ने किसी से भी शिकायत की तो उसे जान से मार दिया जाएगा। 2 झुग्गियों में से किसी एक में रह रहे निवासी रूपेंद्र माथुर ने इस घटना को लेकर कुछ जानकारी दी है। उनसे मिली जानकारी के मुताबिक मेडिकल कर्मियों के देर से पहुंचने के कारण पीड़ितों को मडगांव के जिला अस्पताल में देर से ले जाया गया। वहीं रूपेंद्र माथुर ने बताया कि वो भी इस हादसे का शिकार होने से बाल-बाल बचे हैं। दरअसल जब ये घटना हुई तो वह एक मोबाइल फोन कॉल के लिए झुग्गी से बाहर आए थे। शुक्र है कि इसी तरह झुग्गी के 3 और लोग थे जो फोन कॉल पर थे इस वजह से उनकी जान बच गई। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

### राजस्थान ही नहीं महाराष्ट्र में भी बरस रही आग, धारा 144 लागू

**अकोला।** गर्मी इस बार सारे रिकार्ड तोड़ रही है। राजस्थान में पारा 50 पर पहुंच रहा है तो कहीं हीट वेव से लोग परेशान हैं। वहीं महाराष्ट्र का अकोला सबसे ज्यादा गरमा रहा है, जहां अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी देते हुए कहा अकोला में लू की संभावना को देखते हुए जिलाधिकारी अजीत कुंभार ने 31 मई तक धारा 144 लागू कर दी है। जिलाधिकारी ने दुकानों पर श्रमिकों के लिए पीने के पानी और पंखों की पर्याप्त व्यवस्था करने का आदेश दिया गया है। उन्होंने निजी कोचिंग के समय में बदलाव करने के निर्देश दिए हैं। महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र में स्थित अकोला में शुक्रवार को अधिकतम तापमान 45.8 डिग्री सेल्सियस और शनिवार को 45.6 डिग्री सेल्सियस रहा। यह इस महीने मौसम का सबसे अधिक तापमान है। जिला प्रशासन के मुताबिक पिछले कुछ दिनों में अकोला में अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस से 45.8 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। अकोला 26 मई 2020 को 47.4 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ देश का दूसरा सबसे गर्म शहर था। इस तारीख को मध्य प्रदेश का खरगोन देश का सबसे गर्म शहर था।

### विस्फोट स्थल के करीब ग्रामीणों ने किया विरोध प्रदर्शन

**-कुछ के लापता होने का दावा**

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में पिरदा स्थित बारूद निर्माण कारखाने में हुए विस्फोट के करीब में ही ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया, जिससे रविवार को स्थिति तनावपूर्ण बनी रही। कुछ ने दावा करते हुए कहा कि विस्फोट के बाद से ही उनके करीबी रिश्तेदार लापता हो गए हैं। इस घटना के बाद ही बेमेतरा जिले के पिरदा गांव के पास कारखाना परिसर के आस-पास पुलिसकर्मियों को बड़ी तादाद में तैनात कर दिया गया। गौरतलब है कि शनिवार को बेरला विकास खंड के पिरदा गांव के पास 'स्पेशल ब्लास्ट लिमिटेड' में एक जोरदार विस्फोट हुआ था, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और कम से कम छह अन्य लोग घायल होना बताया गया था। इसके बाद घटनास्थल पर बचाव दल ने शरीर के कुछ अंग मिलने की बात कही है। वहीं दूसरी तरफ आधिकारिक तौर पर घटना के बाद से लापता श्रमिकों की संख्या की कोई पुष्टि नहीं की गई। इसके बजाय यह जरुर कहा गया कि विस्फोट स्थल से मलबा का विशाल ढेर हटा दिए जाने के बाद स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। वहीं प्रत्यक्षदर्शियों का दावा था कि विस्फोट के समय विस्फोटक बनाने वाली फैक्टरी में कम से कम सौ लोग काम कर रहे थे। ऐसे में अनेक लोग लापता हैं और उनके मलबे में फंसे होने की आशंका भी जाहिर की गई है। घटना स्थल पर रविवार सुबह राज्य आपदा मोचन बल, पुलिस और जिला प्रशासन ने बचाव अभियान शुरू किया।

# तूफान रेमल के रौद्र रूप से समुद्र में उठीं ऊंची-ऊंची लहरें

**-कोलकाता में दिखा असर, बारिश शुरु**

**कोलकाता।**

साइक्लोन रेमल का असर कोलकाता में देखने को मिल रहा है। रेमल के प्रभाव के चलते कोलकाता में बारिश शुरू हो गई और समुद्र तट पर 1 मीटर से ऊंची लहरें उठने लगी हैं। इससे पहले भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने शनिवार को ही गंभीर चक्रवाती तूफान 'रेमल' को लेकर अलर्ट जारी किया गया था।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाने ने आज 26 मई रविवार को रेमल के अपडेट को लेकर सोशल मीडिया साइट एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते स्थिति को बताया है। इस पोस्ट में आईएमडी ने बताया है कि साइक्लोन 'रेमल' का पाथ उत्तरी बंगाल की खाड़ी पर सागर द्वीप समूह के दक्षिण पूर्व में करीब 290 किमी, खेपुपारा (बांग्लादेश) के दक्षिण पूर्व में 300 किमी और कैनिंग (डब्ल्यूबी) के दक्षिण पूर्व में 320 किमी पर है। मौसम विभाग का कहना है कि चक्रवात 'रेमल' भीषण चक्रवाती तूफान में बदल गया है। 'रेमल' की निगरानी के लिए सुंदरबन में कंट्रोल रूम स्थापित किया जा चुका है। वहीं दूसरी तरफ भारतीय नौसेना ने चक्रवात रेमल के प्रभाव से बचाव के इंतजाम कर लिए हैं। इसके तहत नौसेना ने मानवीय सहायता और आपदा राहत शुरू करने के लिए मौजूदा मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन करते हुए प्रारंभिक कार्रवाई शुरू कर दी है। नौसेना मुख्यालय भी बदलती स्थिति पर कड़ी नजर रखे हुए है। चक्रवात रेमल के गंभीर चक्रवात में बदलने की आशंका जताई गई है, इस कारण सागर द्वीप, पश्चिम बंगाल और खेपुपारा, बांग्लादेश के बीच इसके टकराने का अनुमान लगाया गया है।

यहां आज मौसम विभाग ने बताया कि चक्रवात 'रेमल' भीषण चक्रवाती तूफान में तब्दील हो गया है, इस कारण रविवार रात को ही पश्चिम बंगाल के सागर द्वीप और बांग्लादेश के खेपुपारा के बीच टकराने की आशंका बनी हुई है।

# विपक्षी गठबंधन संविधान बदल देगा और मुस्लिमों को आरक्षण देगा

**-प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मिर्जापुर रैली में विपक्ष पर साधा निशाना**

**मिर्जापुर।**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि विपक्षी गठबंधन की सरकार बनी तो यह मुस्लिमों को आरक्षण देने के लिए संविधान बदल देगा। पीएम मोदी रविवार को उत्तर प्रदेश के दौरे पर हैं यहां उन्होंने मिर्जापुर की एक चुनावी सभा को संबोधित किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनावी सभा में विपक्ष को निशाने पर लिया और विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' को साम्प्रदायिक और जातिवादी बताया। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्ष ने मुस्लिमों को आरक्षण देने के लिए संविधान बदलने का फैसला कर लिया है। दरअसल रविवार को पीएम मोदी मिर्जापुर के मड़िहान रोड स्थित बरकछा कलां में आयोजित संयुक्त चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने मिर्जापुर लोकसभा क्षेत्र से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक अपना दल की उम्मीदवार और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल और राबर्ट्सगंज की उम्मीदवार रिंकी कोल के लिए जनता से वोट भी मांगे। पीएम मोदी ने कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा)-कांग्रेस वोट बैंक के लिए समर्पित है, जबकि मोदी पिछड़ों और गरीबों के अधिकारों के लिए पूरी तरह समर्पित है। यहां पीएम मोदी ने कहा कि देश के लोगों ने 'इंडिया' गठबंधन के लोगों को पहचाना है ये लोग कट्टर साम्प्रदायिक, जातिवादी और परिवारवादी हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि आज भाषण देने नहीं बल्कि आपसे बात करने के लिए आया हूँ। उन्होंने कहा कि आप-हम जब घर का निर्माण करते हैं तो क्या मिस्त्री कुछ समय के लिए रखते हैं और यह तय करते हैं कि एक माह यह मिस्त्री काम करेगा, दूसरे माह दूसरा, तीसरे महीने तीसरा और चौथे माह चौथा मिस्त्री काम करने आएगा। उन्होंने सवाल किया कि इस तरह से बना घर क्या रहने और किसी को दिखाने लायक भी बन पाएगा। उन्होंने कहा कि भले छोटा घर बनाना हो लेकिन बार-बार मिस्त्री नहीं बदलते। दरअसल पीएम मोदी इसके जरिये विपक्षी गठबंधन पर निशाना साध रहे थे। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी वाला गठबंधन तो कह रहा कि पांच साल में पांच-पांच प्रधानमंत्री। बताइए, पांच साल में पांच प्रधानमंत्री भला कोई रखता है के या? इस दौरान पीएम मोदी ने जयकारे भी लगवाए और 4 जून मतगणना के दिन को बड़ा मंगलकारी दिन भी बतलाया। पीएम मोदी ने दावा किया कि छह चरणों के मतदान के साथ ही देश ने तीसरी बार भाजपा-राजग की मजबूत सरकार बनाना पक्का कर दिया है। यहां पीएम मोदी ने खुद की तारीफ भी की और कहा कि भारत ने तीसरी बार मोदी सरकार बनाने का मन क्यों बनाया? इसका सीधा कारण नेकनीयत, नेक नीतियां और राष्ट्र प्रथम और राष्ट्र निष्ठा है। यहां उन्होंने शेयर मार्केट का जिक्र करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के लोग क्या गांव का बच्चा भी राजनीति को समझने में माहिर हैं, और कोई समझदार कभी डूबने वाली कंपनी का शेयर नहीं खरीदेगा. जो डूब रहा हो, कोई उसे वोट देगा क्या। इस चुनावी रैली को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी संबोधित किया। गौरतलब है कि 1 जून को मिर्जापुर और राबर्ट्सगंज में सातवें चरण के चुनाव के तहत मतदान होना है।

# कोविड-19 के कारण मोटापे सहित कई बीमारियों का भी बढ़ा खतरा

**दो साल घट गई है लोगों की औसत आयु**

**नई दिल्ली ।**

वैश्विक स्तर पर जारी कोरोना महामारी को चार साल से अधिक का समय बीत गया है। इस दौरान कोरोना के वैरिएंट्स में कई बार म्यूटेशन हुआ और संक्रमितों में हल्के से लेकर गंभीर स्तर के लक्षण रिपोर्ट किए गए।

कोरोना का खतरा अभी भी थमा नहीं है। हालिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वायरस में एक बार फिर से म्यूटेशन हुआ है, जिससे उत्पन्न नया सब-वैरिएंट कई देशों में संक्रमण बढ़ाता हुआ देखा जा रहा है।

सिंगापुर की स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यहां पर दो सप्ताह में ही कोरोना के मामलों में 90 फीसदी से अधिक की वृद्धि रिपोर्ट की गई है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के विशेषज्ञों ने सभी लोगों को कोरोना से बचाव को लेकर लगातार सावधानी बरतते रहने की अपील की है। कोरोना के जोखिमों को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बड़ी जानकारी भी साझा की है। रिपोर्ट में डब्ल्यूएचओ ने कहा कोविड-19 के कारण वैश्विक जीवन प्रत्याशा में लगभग दो साल की कमी आ गई है। जीवन प्रत्याशा या लाइफ एक्सपेक्टेंसी उन अतिरिक्त वर्षों की औसत संख्या का अनुमान है जो एक निश्चित आयु का व्यक्ति जीने की उम्मीद कर सकता है।

### घट गई है लाइफ एक्सपेक्टेंसी

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा, पिछले एक दशक में लाइफ एक्सपेक्टेंसी में बेहतर सुधार देखा जा रहा था। हालांकि कोविड-19 के कारण इसमें गिरावट आ गई है। संयुक्त राष्ट्र स्वास्थ्य एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट में बताया कोविड-19 महामारी ने संपूर्ण स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित किया है, संक्रमण के कारण लोगों में कई प्रकार की बीमारियां भी विकसित होती देखी गई हैं। इन परिस्थितियों ने लाइफ एक्सपेक्टेंसी को बड़ा नुकसान पहुंचाया है।

# हिमाचल प्रदेश को मोदी जी 9 हजार करोड़ रुपये नहीं दे सके : राहुल गांधी

**शिमला।** कांग्रेस पार्टी के स्टार प्रचारक और सांसद राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले 10 साल में 22 लोगों का 16 लाख करोड़ रुपये कर्ज तो माफ कर दिया, लेकिन वह पिछले साल मॉनसून में बारिश के कारण आई आपदा से निपटने के लिए हिमाचल प्रदेश को 9 हजार करोड़ रुपये भी नहीं दे सके। राहुल ने कहा कि हिमाचल प्रदेश की मदद करने की बजाय मोदी ने राज्य की चुनी हुई सरकार को चुराने (बदलने) का प्रयास किया। यहां बतलाते चलें कि राहुल गांधी शिमला (सुरक्षित) संसदीय क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार विनोद सुल्तानपुरी के समर्थन में सिरमौर जिले के नाहन में एक चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। यहां राहुल गांधी ने कहा कि मोदी ने सेब की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए सभी भंडारण सुविधाओं को एक व्यक्ति के हाथ में सौंप दिया। उन्होंने कहा कि जब-जब नरेन्द्र मोदी शपथ लेते हैं, अडाणी के स्वामित्व वाली कंपनियों के शेयर की कीमतें बढ़ जाती हैं। राहुल ने इंडिया की सरकार केंद्र में बनने पर गरीब परिवारों को गरीबी रेखा से ऊपर लाने का वादा किया और कहा कि जब तक ऐसा नहीं होता, गरीबों को हर साल एक लाख रुपये दिए जाएंगे। इसके साथ ही राहुल ने देश में बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए सरकारी विभागों में 30 लाख रिक्तियां भरने का वादा किया। उन्होंने कहा कि भाजपा नेता संविधान पर हमला कर रहे और वे इसे खत्म कर देना चाहते हैं। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि संविधान पर हमला करने के भाजपा नेताओं के प्रयासों को विफल करने के लिए राज्य में सभी चार लोकसभा सीटों पर पार्टी उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करें। यहां राहुल गांधी ने एक विशेष विचारधारा पर चल रहे मीडिया हाउस वालों पर भी निशाना साधा और कहा कि मीडिया ने अपनी विश्वसनीयता खो दी है।

# चुनाव भारत का आंतरिक मामला, आप अपने देश का ख्याल रखें

**-पाकिस्तान के पूर्व मंत्री के बयान पर केजरीवाल ने लगाई फटकार**

**नई दिल्ली।**

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने पाकिस्तान के पूर्व मंत्री चौधरी फवाद हुसैन को उनके उस बयान के लिए फटकार लगाई है जिसमें फवाद ने लोकसभा चुनाव में नफरत फैलाने वाली और चरमपंथी ताकतों के हार की अपील की है। केजरीवाल ने कहा कि चुनाव भारत का आंतरिक मामला है और यह आतंकवाद के प्रायोजकों के हस्तक्षेप को बर्दाश्त नहीं करेगा। लोकसभा चुनाव के छठे चरण में दिल्ली के सात निर्वाचन क्षेत्रों समेत कुल 58 संसदीय क्षेत्रों में शनिवार को वोट डाले गए। मतदान करने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने अपने परिवार की एक तस्वीर सोशल मीडिया एक्स पर साझा की इसके साथ केजरीवाल ने अपने पोस्ट में कहा कि उन्होंने तानाशाही, महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ वोट दिया है। केजरीवाल की पोस्ट को एक्स पर साझा करते हुए 'मोर पावर' और 'इंडिया इलेक्शन 2024' हैशटैग के साथ पाकिस्तान के पूर्व मंत्री फवाद ने कहा कि ''शांति और सौहार्द नफरत फैलाने वाली और चरमपंथी ताकतें परास्त हों।'' फवाद के पोस्ट के कुछ मिनट बाद ही केजरीवाल ने उन पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी पोस्ट गैरजरूरी है। केजरीवाल ने अपने एक्स पर लिखा-चौधरी साहब, मेरे देश के लोग और मैं अपने मसलों को संभालने में पूरी तरह सक्षम हैं। आपकी टिप्पणी की जरूरत नहीं है। पाकिस्तान में हालात फिलहाल बहुत खराब हैं। आप अपने देश का ख्याल रखें।

एक अन्य पोस्ट में केजरीवाल ने कहा कि चुनाव भारत का आंतरिक मामला है और देश आतंकवाद के प्रायोजकों के हस्तक्षेप को बर्दाश्त नहीं करेगा। केजरीवाल के पोस्ट के जवाब में फवाद ने कहा कि ''सीएम साहब! सही में चुनाव आपका अपना मसला है लेकिन उम्मीद है कि आप इस बात को महसूस करेंगे कि चरमपंथ, चाहे पाकिस्तान में हो या भारत में, एक सीमारहित अवधारणा है और सभी के लिए खतरनाक है चाहे वह बांग्लादेश, पाकिस्तान या भारत ही क्यों न हो। इसलिए हर वह व्यक्ति जिसके पास कुछ चेतना है उसे चिंतित होना चाहिएज। फवाद कहा कि पाकिस्तान में हालात आदर्श स्थिति से बहुत अलग हैं लेकिन लोगों को, जहां भी हों, बेहतर समाज के लिए प्रयास करना चाहिए। केजरीवाल पर निशाना साधते हुए बीजेपी ने आरोप लगाया कि आप नेता की भ्रष्टाचार की राजनीति के समर्थन में पाकिस्तान भी कूद पड़ा है। दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि उनकी पार्टी कहती रही है कि ''केजरीवाल देश के दुश्मनों के साथ मिले हुए हैं।'' सचदेवा ने कहा कि ''चौधरी फवाद हुसैन अभी बोल रहे हैं। उन्होंने केजरीवाल की रिहाई पर भी एक सोशल मीडिया पोस्ट लिखा था। पांच चरण के चुनाव हो चुके हैं लेकिन कोई टिप्पणी नहीं की गई, अब जब दिल्ली में चुनाव हो रहे हैं तो पाकिस्तान से बयान आया है जो यह दर्शाता है कि केजरीवाल को पाकिस्तान का समर्थन मिल रहा है।

# नमो भारत ट्रेन आचार संहिता हटते ही मेरठ साउथ तक चलेगी

**गाजियाबाद ।**

नमो भारत ट्रेन में मेरठ तक यात्रा करने के लिए उतावले लोगों के लिए अच्छी खबर है। 4 जून के बाद आचार संहिता हटते ही मेरठ साउथ तक चलेगी। कुछ समय से मोदीनगर नॉर्थ से लेकर मेरठ साउथ के बीच ट्रायल भी किया जा रहा है। इसको लेकर कमिश्नर मेट्रो रेलवे सेफ्टी निरीक्षण भी कर चुके हैं। क्लियरेंस रिपोर्ट आने के साथ इसे पब्लिक को खोलने की हरी झंडी मिल जाएगी। नैशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (एनसीआरटीसी) के सीपीआरओ पुनीत वत्स का कहना है कि सेफ्टी मानकों का निरीक्षण चल रहा है। क्लियरेंस मिलने के बाद मोदीनगर नॉर्थ से लेकर मेरठ साउथ के बीच ट्रेन का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। वहीं साहिबाबाद से न्यू अशोक नगर स्टेशन के बीच तेजी से काम हो रहा है। इस हिस्से में नवंबर से ट्रायल की प्लानिंग की जा रही है जबकि दिसंबर से लेकर जनवरी के बीच पब्लिक के लिए इस हिस्से को खोला जा सकता है। नमो भारत को साहिबाबाद से दुहाई डिपो के बीच चले हुए काफी समय हो गया है लेकिन अभी तक गाजियाबाद स्टेशन को

मेट्रो स्टेशन के साथ लिंक नहीं किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही इसे लिंक कर दिया जाएगा। अभी मेट्रो स्टेशन के पास कुछ जमीन को लेकर पेच फंसा है। जब तक वह जमीन नहीं मिलती तब तक काम पूरा नहीं होगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## राजकोट अग्निकांड के बाद सूरत का सिस्टम हरकत में

# १७ में से १६ गेम जोन सील, ६ खेल क्षेत्र, ४ मेले, एक सर्कस और एक जादूगर का शो बंद

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में ही २४ मई २०१९ को तक्षशिला आर्केड में भीषण आग लग गई थी. जिसमें २२ मासूम बच्चों की जलकर मौत हो गई. आग लगने के वक्तजब अग्निशमन विभाग का रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू हुआ तो पता चला कि ऊपर तक पहुंचने के लिए कोई सीढ़ी ही नहीं थी. आज भी पीड़ित परिवार आंसू बहा रहे हैं. इस घटना के बाद भी व्यवस्था में सुधार करने के बजाय कुम्भकर्ण सो गया। २५ मई २०२४ को राजकोट में टीआरपी गेम ज़ोम में आग लगने के बाद, जिसमें २८ लोगों की जान चली गई, यह जाग गया और सूरत शहर में हलचल वाले गेम ज़ोन में एक जांच की गई।

पिछले कुछ वर्षों में बिना एनओसी के चल रहे और पेपर शेड में बने गेम जोन जांच के दायरे में आ गए हैं। जिसे तत्काल बंद कर दिया गया है. फिर यहां सवाल यह है कि क्या त्रासदी में निर्दोष लोगों की बलि के बाद सिस्टम का काम? यदि मोटी चमड़ी वाले अधिकारी इस त्रासदी से पहले कार्यालय की ठंडक से बाहर आकर अपना कर्तव्य निभाते, तो कई परिवारों के घर नहीं टूटते... आपकी आंखों के सामने, सूरत का तक्षशिला अग्निकांड, वडोदरा नाव दुर्घटना, मोरबी हैंगिंग ब्रिज और कल राजकोट गेम जोन में लगी आग।

राजकोट में टीआरपी गेम जोन में आग लगने की घटना के बाद सूरत का सिस्टम चालू था। कल नगर निगम कमिश्नर, पुलिस कमिश्नर और कलेक्टर ने अधिकारियों की एक आपातकालीन बैठक बुलाई और पुलिस, नगर निगम, कलेक्टर, डीजीवीसीएल, फायर के १० अधिकारियों की एक टीम बनाई, जो शहर के गेम जोन पर एक ऑडिट-विस्तृत जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। आज शाम। गंभीर बात यह है कि सिस्टम की नाक के नीचे एक साल से अधिक समय से बिना एनओसी के फल-फूल रहे ६ गेम जोन बंद हो गए हैं। उनके पास एनओसी नहीं होने के कारण यह कार्रवाई की गयी है.

वनिता विश्राम सहित ३ मेलों के साथ शहर के १७ खेल क्षेत्रों में से १६ को बंद कर दिया गया। शहर में बड़े पैमाने पर १७ गेम जोन हैं, जिनकी आज इलेक्ट्रिक लोड, एनओसी से लेकर हर चीज की जांच की गई और १७ में से १६ गेम जोन को सील कर दिया गया। ६ गेम जोन पहले ही सील कर दिए गए थे. इस बीच, ११ गेम जोन में से १० गेम जोन, ६ खेल क्षेत्र, चार मेले, एक सर्कस और एक जादूगर-शो को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया है।

## टीम गेम जोन में यह जांच करेगी

**इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल टीम वायरिंग की जांच कर जांच करेगी कि अनुमति ली गई है या नहीं।

**यह भी जांचा जाएगा कि फायर की एनओसी ली गई है या नहीं।

**पुलिस की एनओसी है या नहीं.

**क्या गेम ज़ोन DGVCL कितना लोड ले रहा है उसके अनुसार चलता है या अधिक लोड लेता है?

***कलेक्टर और पुलिस जांच करेंगे कि गेम जोन की क्षमता क्या है और कितने और को जगह दी जा रही है?

**सभी अनुभागों के नियमों, बिंदु संरचनाओं की जांच की जाएगी।**

गुजरात हाई कोर्ट ने रविवार को राजकोट अग्निकांड पर स्वत: संज्ञान लेते हुए सुनवाई की. जिसमें कोर्ट ने कहा कि अथॉरिटी ने लापरवाही बरती है. गेम जोन में थे ज्वलनशील पदार्थ, इमरजेंसी गेट बंद अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत और राजकोट को गेम जोन के नियमों पर सबमिशन जमा करने का आदेश दिया गया है.

**सील किए गए किसी भी स्थान पर सुरक्षा को लेकर लापरवाही के चलते**

लोगों की सुरक्षा का ख्याल नहीं रखा गया । निरीक्षण के दौरान आवश्यकतानुसार अग्नि सुरक्षा, प्रवेश-निकास मार्ग, बीयू अनुमति, विद्युत भार, एनओसी। और कोई अन्य सुरक्षा उपाय नहीं किए गए. सुरक्षा में लापरवाही के चलते सील की कार्रवाई की गई। यहां बता दें कि राजकोट की घटना के बाद जो सिस्टम लगाया गया था, उसने इस ऑपरेशन को अंजाम दिया. हालाँकि, अगर इसी पहल पर यह काम किया गया होता तो ऐसा कुछ नहीं होता. जो सिस्टम जागा है, उसने काम तो किया है, लेकिन यह कब तक चलेगा, यह देखने वाली बात होगी।

## बंद खेल क्षेत्रों का क्षेत्रवार विवरण

**आठवें जोन में ७ गेमजोन को सील कर दिया गया**

गेम जोन का अन्वेषण करें
प्रतिक्षेप
गोली मारना
काला खरगोश
ललकार
फ़्यूचर ज़ोन, वैलेंटाइन
अवध यूटोपिया गेम ज़ोन
रांदेर जोन में २ गेमजोन को सील कर दिया गया

**डीएक्स गेम जोन
राजहंस सिनेमा गेम जोन
वराछा-बी ( सरथाणा ) जोन में
१ गेमजोन सील किया गया**

**फन-फेयर गेम जोन इसके अलावा, अठवा जोन में वनिता विश्राम, खाटू श्याम मंदिर के सामने, वीआर मॉल के सामने तीन मेले और पाल गौरव पथ पर मेला, वराछा जोन में रेम्बो सर्कस और डिंडोली में जादूगर शो भी बंद कर दिया गया है। ये गेम जोन बंद कर दिए गए**

**वीआर मॉल में फंकीमंकी
वीआईपी रोड पर ब्लैकबनी
उत्सव, वीआईपी रोड, वेसु
गैलेक्सी गेम जोन, वीआईपी रोड
प्लैटिनम गेम ज़ोन, सिटीलाइट
राहुलराज मॉल गेमज़ोन**

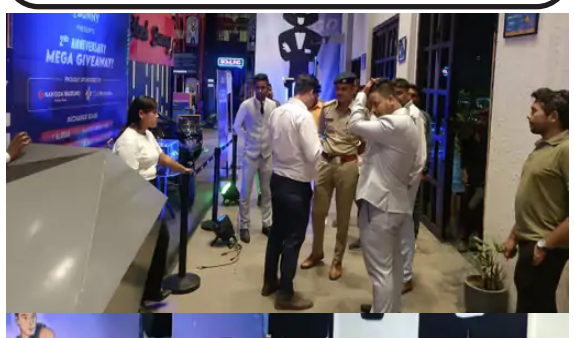

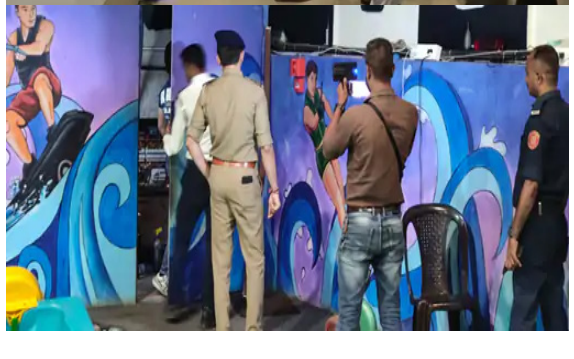

## वीडियो वायरल होने के बाद गिरफ्तार

# सूरत के चाचा ने ८ साल के भतीजे को दी बुलेट बाइक की स्टीयरिंग,हाथ जोड़कर मांगी माफी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में कल एक वीडियो वायरल हुआ. जिसमें खुलासा हुआ कि बच्चा खतरनाक तरीके से गोलियां चला रहा था. खुलासा हुआ कि बुलेट के पीछे बैठे युवक ने खतरनाक तरीके से बुलेट की स्टीयरिंग बच्चे को दे दी और वीडियो बना लिया. हालांकि वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की. पांडेसरा पुलिस ने गोली चलाने वाले चाचा को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की है।

शनिवार सुबह सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें बताया गया कि चाचा बच्चे की बुलेट हैंडल पकड़ रहा है । जिसमें बुलेट बाइक पर एक शख्स पीछे बैठकर ८ साल के बच्चे से बुलेट का हैंडल पकड़कर बुलेट चलाता था. बच्चे के पास खतरनाक तरीके से बुलेट चलाने के इस वीडियो को लेकर सोशल मीडिया पर लोग भड़क गए. रीलों के चक्कर में चाचा ने अपनी और भतीजे की जान जोखिम में डाल दी। आठ साल के भतीजे पर चाचा द्वारा खतरनाक ढंग से गोली चलाने की रील बनाकर वीरतापूर्ण कार्य करने वाले चाचा कुलदीप को पांडेसरा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

शुरुआती जांच में पता चला कि वीडियो पांडेसरा के मीटिंग प्वाइंट का है . वायरल वीडियो के बाद पांडेसरा पुलिस ने उस शख्स का पता लगा लिया जिसने बच्चे पर गोली चलाई थी. पुलिस ने कुलदीप प्रियवृत सिंह को गिरफ्तार कर लिया. कुलपिड ने अपने ८ साल के भतीजे पर गोली चलाने की कोशिश की. पुलिस ने तेज गति से गाड़ी चलाने पर हाथ जोड़कर माफी मांगी।

# राजकोट अग्निकांड के बाद सिस्टम चालू हुआ

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

राजकोट में हुई **अग्निकांड** के कारण पूरे राज्य में व्यवस्था चरमरा गई है. गेम जोन की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठे तो मामलतदार समेत नगर पालिका के अग्निशमन अधिकारियों की एक टीम यह जांच करने निकली है कि बच्चों के खेलने की जगह गेम जोन में कितने सुरक्षा उपाय रखे गए हैं खेलना। सुरक्षा उपायों की जांच करने के लिए मामलातदार सहित एक अग्निशमन दल नवसारी शहर के विशाल नगर में फन किडो नामक गेम जोन में पहुंचा।

नवसारी जिले में कुल तीन से चार खेल क्षेत्रों की पहचान की गई है, और निकास और प्रवेश और अग्नि सुरक्षा सहित अन्य सुरक्षा उपायों के अनुपालन में किसी भी सुरक्षा उपाय का पालन नहीं करने पर उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की भी व्यवस्था को मंजूरी दे दी गई है।

**राजकोट आग के बाद चालू व्यवस्था: मामलातदार सहित अग्निशमन दल ने नवसारी जिले के खेल क्षेत्र में सुरक्षा उपायों का निरीक्षण किया**

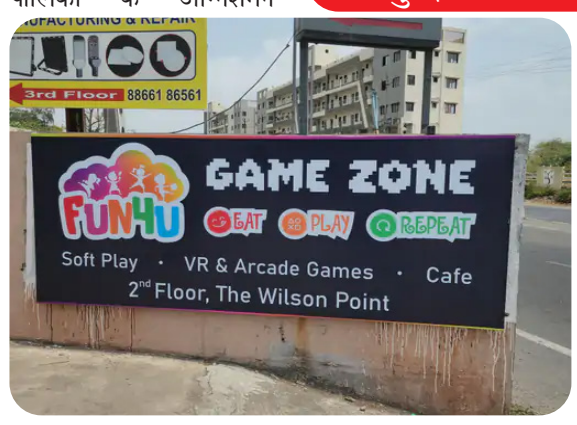


गुजरात सरकार ने प्रशासनिक तंत्र द्वारा प्रत्येक जिले के गेम जोन की जांच करने का आदेश दिया है, जिसके बाद सुबह से ही नवसारी विजलपोर नगर पालिका के अग्निशमन कार्यालय की टीम नवसारी मामलातदार के साथ नवसारी शहर के विशाल नगर में स्थित फंकिडो नामक गेम जोन की जांच करने के लिए निकली है।

के लिए सत्यापन भी शुरू कर दिया गया है। खेल क्षेत्र